दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik
@AsliAzadiDainik

www.asliazadi.com

असली आज़ादी

SINCE 2005

■ वर्ष: 19, अंक: 188 ■ दमण, मंगलवार 23 अप्रैल 2024, ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

दमण-दीव लोकसभा सीट पर 7 और दानह लोकसभा सीट पर 5 उम्मीदवार चुनावी मैदान में

असली आजादी न्यज नेटवर्क, दमण 22 अप्रैल। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव की दोनों लोकसभा सीटों पर तीसरे चरण यानि 7 मई 2024 को मतदान होना है। इसके लिए चल रही चुनावी प्रक्रिया के अंतर्गत 22 अप्रैल 2024 नामांकन वापसी की अंतिम तिथि थी। नामांकन वापसी का समय समाप्त होने के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार दमण-दीव लोकसभा सीट पर 7 उम्मीदवार और दादरा नगर हवेली लोकसभा सीट पर 5 उम्मीदवार चुनावी मैदान में डटे हुए है। दमण-दीव लोकसभा सीट की बात की जाये तो कांग्रेसी उम्मीदवार केतन पटेल, भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल, नवर्सजन भारत पार्टी के उम्मीदवार उमेश पटेल, निर्दलीय उम्मीदवार पटेल उमेश बाबूभाई, निर्दलीय उम्मीदवार पटेल उमेश बाबू, निर्दलीय उम्मीदवार इदरीश जी. मुल्ला एवं निर्दलीय उम्मीदवार सकील लतीफ खान चुनावी मैदान में है। दादरा नगर हवेली लोकसभा सीट पर कांग्रेसी उम्मीदवार अजीत रामजी माहला, भाजपा उम्मीदवार डेलकर कलाबेन मोहनभाई, बहुजन समाज पार्टी उम्मीदवार बोरसा संदीप, भारत आदिवासी पार्टी के उम्मीदवार कुराडा दीपकभाई एवं निर्दलीय उम्मीदवार शैलेष वरठा के बीच मुकाबला होगा।

पीएम मोदी की 27 अप्रैल को दमण में होगी जनसभा

■ पीएम मोदी की यात्रा को लेकर प्रदेश भाजपा प्रभारी पूर्णेश मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 22 अप्रैल। पीएम मोदी की 27 अप्रैल 2024 को दमण में जनसभा होने जा रही है। पीएम मोदी की यात्रा को लेकर आज संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा प्रभारी पूर्णेश मोदी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में प्रदेश भाजपा प्रभारी पूर्णेश मोदी ने पीएम मोदी के दमण दौरे को लेकर रणनीति तैयार की और इसे सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन किया। पीएम मोदी की यात्रा की जिम्मेदारी संभाल रहे प्रदेश भाजपा सचिव जिज्ञेश पटेल ने उपस्थित सभी भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि सभी बूथ एवं सभी मंडल को मिलकर पीएम मोदी की जनसभा को सफल बनाना है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं, शुभचिंतकों एवं मतदाताओं को बडी संख्या में पीएम मोदी की जनसभा में लाना है। जिज्ञेश पटेल ने कहा कि पीएम मोदी का मार्गदर्शन लेने के लिए प्रत्येक बूथ से लेकर हरेक मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को पीएम मोदी की जनसभा में पहुंचना है। बैठक के दौरान पीएम मोदी की यात्रा को यादगार और सफल बनाने के लिए व्यापक रणनीति तैयार की गयी। इस बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दीपेश टंडेल, उपाध्यक्ष महेश आगरिया, गुजरात भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रभारी विशाल टंडेल, प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्षा सिंपल कांटेला, प्रदेश भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष हरीश पटेल, जनरल सेक्रेटरी भरत पटेल, दमण जिला भाजपा अध्यक्ष अस्पी दमणिया, बालू पटेल, विजय पटेल, बाबू पटेल, कल्पेश सीताराम सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

माछीमार परिवारों ने भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल को बताई अपनी समस्याएं

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 22 अप्रैल। चुनाव प्रचार के लिए दीव पहुंचे भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल से मुलाकात कर माछीमार परिवार की महिलाओं ने अपनी समस्याएं बताई। इस दौरान माछीमार महिलाओं ने भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल और दीव जिला भाजपा अध्यक्ष मोहन लकमणे के समक्ष पाकिस्तान की जेल में बंद दीव के मछुआरों को छुडाने की गुहार लगाई। माछीमार परिवारों ने जल्द से जल्द मछुआरों की रिहाई सहित अन्य समस्याएं भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल को बताई। लालू पटेल ने माछीमार परिवारों को आश्वासन देते हुए कहा कि मछुआरों की रिहाई के लिए हमारी सरकार द्वारा काम किया जा रहा है। पहले भी मोदी सरकार ने भारतीय मछुआरों को पाकिस्तान की जेलों से रिहा कराया है। भविष्य में भी पाकिस्तान की जेलों में बंद मछुआरों की जल्द रिहाई कराने के लिए केन्द्र की मोदी सरकार प्रयासरत है।

भाजपा महिला मोर्चा ने दमण में किया महिला सम्मेलन: भाजपा प्रत्याशी लालू पटेल को जीताने का लिया संकल्प

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 22 अप्रैल। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा ने आज दमण के देवका स्थित काटेला पार्टी प्लॉट पर महिला सम्मेलन का आयोजन किया। प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्षा सिंपल काटेला की अध्यक्षता में आयोजित महिला सम्मेलन में प्रदेश भाजपा सहप्रभारी दुष्यंत पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दीपेश टंडेल, प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की प्रभारी माधवी भूता, कांता दीदी, महिला मोर्चा की राष्ट्रीय परिषद की सदस्या सोनल पटेल, महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री दीपाली शाह की मुख्य रुप से उपस्थिति रही। इस सम्मेलन में दमण-दीव लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी लालू पटेल को भव्य जीत दिलाने का संकल्प लिया गया। इसकी जानकारी भाजपा द्वारा प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी गयी है।

संसदीय क्षेत्र दानह में लोकसभा चुनाव के लिए आईपीएस संगीता कला को नियुक्त किया गया पुलिस ऑब्जर्वर

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 22 अप्रैल। भारत निर्वाचन आयोग ने दादरा नगर हवेली संसदीय क्षेत्र में लोकसभा आम चुनाव 2024 के लिए आईपीएस अधिकारी संगीता कला को पुलिस ऑब्जर्वर नियुक्त किया है। पुलिस ऑब्जर्वर संगीता कला का ऑफिस एड्रेस पुलिस हेडक्वॉर्टर दमण रहेगा। विजिटिंग टाइम सुबह 10 से 11 बजे तक कांफ्रेंस हॉल दमणगंगा सर्किट हाउस सिलवासा है। चुनाव से संबधित किसी भी शिकायत के लिए आम नागरिक पुलिस ऑब्जर्वर संगीता कला से मोबाइल नं. 8200591451 पर भी संपर्क कर सकते है। इसकी जानकारी सिलवासा आरडीसी अमित कुमार द्वारा प्रेसनोट जारी कर दी गयी है।

सरकारी अपर प्रायमरी स्कूल भीमपोर में मेगा कानूनी जागरुकता कैम्प का आज होगा आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 22 अप्रैल। भीमपोर के सरकारी अपर प्रायमरी स्कूल में 23 अप्रैल को मेगा कानूनी जागरुकता कैम्प का आयोजन किया जायेगा। राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण दमण और एडवोकेट बार एसोसिएशन दमण के संयुक्त प्रयास से सुबह 10 से आयोजित होने वाले कार्यक्रम में बच्चों को विभिन्न कानूनी जानकारी दी जायेगी। इस दौरान वकील स्मीता गोहिल बच्चों के अधिकार, वकील अल्पेश दमणिया कानूनी सेवा प्राधिकरण/ आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के माध्यम से आपदा पीडित योजना, वकील उदय पटेल भारत के संविधान के भाग-4 के तहत मौलिक अधिकारों के बारे में जानकारी देगे।

लोकसभा सामान्य चुनाव 2024 के संबंध में ऑब्जर्वर के. एस. लता कुमारी करेंगी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 22 अप्रैल। दीव में आगामी लोकसभा सामान्य चुनाव 2024 के सफल आयोजन हेतु भारत निर्वाचन आयोग से दीव जिले हेतु नियुक्त ऑब्जर्वर के. एस. लता कुमारी 24/04/2024 को सुबह 11 बजे घोघला सर्किट हाउस में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक का आयोजन करेंगी। बैठक में चुनाव के स्वतंत्र एवं निष्पक्ष आयोजन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जायेगी और सभी शंकाओं का निराकरण किया जायेगा। ज्ञात हो कि दमण एवं दीव संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में 7 मई 2024 को लोकसभा सामान्य चुनाव हेतु मतदान का आयोजन किया जायेगा।

भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल ने वणाकबारा में किया चुनाव प्रचार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 22 अप्रैल। दमण-दीव लोकसभा सीट के भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल ने आज दीव के वणाकबारा में चुनाव प्रचार किया। भाजपा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल ने वणाकबारा के महाकालेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-आरती करके तथा ध्वजा चढाकर महादेव का आशीर्वाद लेकर चुनाव प्रचार का शुभारंभ किया। इस दौरान भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल ने वणाकबारा में डोर टू डोर चुनाव प्रचार कर भाजपा के लिए मतदाताओं से वोट मांगा। चुनाव प्रचार के दौरान जगह-जगह भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल का पुष्पहार से स्वागत किया गया। इस चुनाव प्रचार में भाजपा उम्मीदवार लालू पटेल के साथ उनकी धर्मपत्नी तरुणा पटेल, दीव जिला भाजपा प्रमुख मोहन लकमणे, किरीट वाजा, रामजी पारसमणी सहित भाजपा के पदाधिकारियों एवं लालू पटेल के समर्थक शामिल रहे।

भारत में दिनों दिन बढ़ रहा है पानी का संकट

– 2050 तक स्थिति होगी विकराल

नई दिल्ली। भारत की आबादी दुनिया के देशों में सबसे ज्यादा है। भारत का जल संकट भी बहुत भयावह होने जा रहा है। डीसीएम श्री राम और सत्य नॉलेज की एक रिसर्च रिपोर्ट में दावा किया गया है। 2050 तक भारत में प्रति व्यक्ति जल की मांग में 30 फ़ीसदी की वृद्धि होगी। बढ़ती आबादी और जल संसाधनों की कमी के कारण पेयजल के भयंकर संकट का सामना भारत को करना पड़ेगा। 2050 तक भारत में दुनिया की 17 फ़ीसदी आबादी होगी। रिसर्च में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता को मापने वाले इंडेक्स के अनुसार प्रति व्यक्ति 1700 क्यूबिक मीटर से कम पानी वाले इलाके जल संकट से बुरी तरह प्रभावित होंगे। भारत की 76 फ़ीसदी आबादी के पास अभी भी पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्थिति में 2025 से लेकर 2050 तक भारत का जल संकट बढ़ता जायेगा। भारत के 50 फ़ीसदी जिलों में पानी का भयावह संकट होने की चेतावनी रिसर्च रिपोर्ट में दी गई है।

तिरुपति मंदिर की संपत्ति दुनिया के धार्मिक स्थलों में सबसे ज्यादा

– 13287 करोड़ की एफडी, 11 टन सोना

हैदराबाद । दुनिया के सबसे अमीर मंदिर तिरुमला तिरुपति देवस्थानम ने इस साल 1161 करोड रुपए की एफडी कराई है। ट्रस्ट की बैंकों में कुल एफडी 13287 करोड रुपए की हो गई है। इसके अलावा मंदिर के अन्य ट्रस्ट के माध्यम से 5529 करोड रुपए एफडी में जमा किए हुए हैं। सभी बैंकों और सभी ट्रस्टों की नगदी 18817 करोड रुपए हो गई है। दुनिया भर के सभी धार्मिक स्थलों में सबसे ज्यादा धनी ट्रस्ट तिरुमला तिरुपति देवस्थानम है। हर साल जमा रकम के ब्याज से 1600 करोड रुपए की आय इस ट्रस्ट को होती है। हाल ही में ट्रस्ट ने बैंक में 1031 किलो सोना जमा किया है। ट्रस्ट के पास 11329 किलोग्राम सोना हो गया है। हर साल तिरुपति ट्रस्ट की एफडी और सोने के भंडार में वृद्धि हो रही है। कोरोना के समय में दान में कम नगदी प्राप्त हुई थी। 2013 से लेकर 2024 तक ट्रस्ट में दान की राशि में वृद्धि होती रही है। 2012 में ट्रस्ट की एफडी 4820 करोड रुपए की थी। जो 2024 में बढ़कर 13287 करोड रुपए की हो गई है।

गाजीपुर लैंडफिल साइट पर आग, पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया

नई दिल्ली। गाजीपुर लैंडफिल साइट (कचरा एकत्र करने की जगह) पर आग लगने के कुछ घंटों बाद पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, भारतीय दंड संहिता की धारा 336 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालना) और 278 (माहौल को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बनाना) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। दिल्ली दमकल सेवा के अनुसार, कचरे के विशाल पहाड़ से उत्पन्न गैसों के कारण 'लैंडफिल' में भीषण आग लग गई। लैंडफिल के निकट रहने वाले शख्स ने कहा, आग लगने के बाद से 15 घंटे बीत चुके हैं। यह धुआं आम नहीं बल्कि बेहद जहरीला धुआं है। जलन की वजह से हम अपनी आंखें नहीं खोल पा रहे हैं और सांस लेने में भी दिक्कत हो रही है। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और केंद्र शासित प्रदेश सरकार पर जनता को बेहतर जीवन दे पाने में विफल रहने का आरोप लगाया। दिल्ली की महापौर शैली ओबेरॉय ने कहा, जैसे ही मुझे पता चला, मैंने अधिकारियों को कार्रवाई करने और लैंडफिल साइट का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। वे पूरी रात यहां थे। अब स्थिति बेहतर है। हालात बेहतर हैं। अगले पांच घंटों में धुएं पर काबू पा लिया जाएगा। भाजपा सिर्फ आरोप लगा रही है। यह राजीनित करने का वक्त नहीं है।

पंजाब में भाजपा प्रत्याशियों को किसानों के विरोध का सामना करना पड़ रहा

चंडीगढ़ । बटाला में किसानों ने गुरदासपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी दिनेश बब्बू और बरनाला में पार्टी नेता अरविंद खन्ना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। पंजाब की विभिन्न संसदीय सीट से भाजपा के उम्मीदवारों और नेताओं को किसानों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। फरीदकोट सीट से भाजपा उम्मीदवार हंस राज हंस, अमृतसर से तरनजीत सिंह संधू और पटियाला से परनीत कौर को भी किसानों के गुस्से का सामना करना पड़ा। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को उस स्थान की ओर जाने से रोकने की भी कोशिश की, जहां बब्बू और भाजपा समर्थक चुनाव प्रचार संबंधी कार्यक्रम कर रहे थे। फतेहगढ़ चूड़ियां में एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि वे भाजपा नेताओं का विरोध करना जारी रखने वाले हैं। विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देकर भाजपा उम्मीदवार बब्बू ने कहा कि केवल उनकी पार्टी किसानों के मुद्दों को हल कर सकती है, जबकि अन्य राजनीतिक दल अपने निहित स्वार्थों के लिए उनका ''इस्तेमाल करने वाले हैं। बब्बू ने कहा, ''हम किसानों के साथ हैं और मैं भी एक किसान हूं। उनके मुद्दों को बातचीत के जरिए हल किया जा सकता है।'' एक अन्य घटना में, भाजपा नेता खन्ना को बरनाला में किसानों के विरोध का सामना करना पड़ा, जहां वह प्रचार करने गए थे।

सलमान के घर फायरिंग.....आरोपियों ने बंदूक सूरत की तापी नदी में फेंकी , मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम सूरत पहुंची

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के घर पर 14 अप्रैल की सुबह फायरिंग से हड़कंप मचा था। घटना में शामिल दोनों हमलावरों को पुलिस ने पकड़ लिया है। मामले की जांच तेजी से जारी है। इस बीच फायरिंग केस में नया अपडेट सामने आया है। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने वारदात को अंजाम देने के बाद बंदूक सूरत की नदी में फेंकी थी। उस बंदूक की तलाश के लिए क्राइम ब्रांच की टीम सूरत पहुंची है। आरोपियों ने पुलिस से तापी नदी में बंदूक फेंकने की बात कही है। इस केस में मुंबई पुलिस क्राइम ब्रांच ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके भाई अनमोल को मुख्य आरोपी बनाया है। अनमोल को वांटेड सूची में शामिल किया है। जांच पड़ताल के दौरान बिश्नोई भाइयों के खिलाफ कुछ सबूत मिले हैं। सूत्र बताते हैं क्राइम ब्रांच अनमोल बिश्नोई (जो कि अमेरिका में रहता है) के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी कर सकती है। दूसरी ओर जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई की कस्टडी के लिए कोर्ट में आवेदन देगी। गिरफ्तार हुए आरोपी विक्की गुप्ता (24 साल) और सागर पाल (21 साल) ने सलमान के घर पर फायरिंग करने से पहले बिहार के चंपारण में हथियार चलाने की प्रैक्टिस की थी। दोनों को 13 अप्रैल की रात बंदूकें सप्लाई की गई थीं। अनमोल दोनों आरोपियों के साथ इंटरनेट कॉलिंग के जरिए संपर्क में था। उन्हें सलमान के घर फायरिंग के लिए पहले ही 1 लाख रुपये दिए जा चुके थे। सलमान ने फायरिंग की घटना के बाद बड़ा फैसला लिया। वे काम पर लौट आए हैं। उन्होंने अपने प्रोजेक्ट्स की किसी भी डेट को आगे खिसकाने से मना किया है।

रैली में भिड़े राजद और कांग्रेस के कार्यकर्ता... भाजपा नेता ने दिया नया नाम झगड़ालू गठबंधन

पटना। बिहार बीजेपी नेता और पटना साहिब से चुनाव लड़ रहे रविशंकर प्रसाद ने कहा कि रांची में इंडिया ब्लॉक की रैली में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। भाजपा नेता ने दावा किया कि दोनों दलों के लोगों ने एक-दूसरे पर कुर्सियां फेंकी। इस घटना के बाद उन्होंने गठबंधन का नया नामकरण किया। रविशंकर प्रसाद ने इंडिया ब्लॉक को झगड़ालू गठबंधन बताया। प्रसाद ने कहा कि गठबंधन व्यक्तिगत लाभ के लिए बनाया गया है और इसके घटकों के बीच कोई एकता नहीं है।उन्होंने कहा कि रांची की रैली में राजद और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर कुर्सियों से हमला किया... हम पहले से ही कह रहे थे कि यह व्यक्तिगत लाभ का गठबंधन है। झड़प हो रही हैं, और लोग घायल हो रहे हैं। उन्होंने नसीहत के अंदाज में कहा कि भ्रष्टाचार के कारण लोगों को जेल भेजा जा रहा है... देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक स्थिर सरकार चाहता है। इस बीच, बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि रैली भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए बुलाई गई थी। पूनावाला ने कहा कि भारतीय गठबंधन संविधान बचाने के लिए रांची में एकत्र हुआ था, लेकिन यह भ्रष्टाचार बचाने के लिए रैली थी। भारतीय गठबंधन के पास कोई विजन नहीं है।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह की नक्सलियों को नसीहत

–समर्पण करें अन्यथा दो साल में नक्सलवाद को उखाड़ फेंकेंगे

जगदलपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को यहां कहा कि जब तक नक्सलवाद है, तब तक आमजन तक सुख-सुविधाएं नहीं पहुँच सकतीं हैं। उन्होंने आगे नक्सलवादियों को चेतावनी देते हुए कहा, कि नक्सलवादी यदि आत्मसमर्पण करने के लिए ना समझे तो वे जान लें कि दो साल में नक्सलवाद को उखाड़ फेंक दिया जाएगा।

केंद्रीय गृहमंत्री शाह कांकेर लोकसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी भोजराज नाग के समर्थन में चुनाव प्रचार करने पहुंचे थे, जहां उन्होंने एक सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। इसी बीच उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है, ताकि भारत दुनिया में तीसरी अर्थव्यवस्था बनकर उभरे। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में देश में बड़ा बदलाव हुआ है। इसी दौरान उन्होंने प्रमुख विपक्षी कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि कांग्रेस को राम मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर निमंत्रण पत्र भेजा गया, लेकिन वे राम के दरबार तक में नहीं आए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहते हैं कि कश्मीर का बाकी राज्यों से क्या लेना-देना, शायद उन्हें मालूम नहीं कि छत्तीसगढ़ का बच्चा-बच्चा कश्मीर के लिए अपनी जान कुर्बान कर सकता है। सभा को संबोधित कर रहे गृह मंत्री ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह से आतंकवाद समाप्त कर दिया है, वैसे ही नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। आंकड़ों के मुताबिक पिछले चार माह में 90 से ज्यादा नक्सली मारे जा चुके हैं और 250 ने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने कहा कि 02 साल के अंदर में ही छत्तीसगढ़ से नक्सलियों को उखाड़ फेंकेंगे। उन्होंने नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने की भी सलाह दी और साथ ही चेतावनी देते हुए कहा, कि अन्यथा वे लड़ाई के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा विश्वास दिलाया कि जल, जंगल जमीन के साथ आदिवासियों की सुरक्षा और सम्मान की गारंटी भी प्रधानमंत्री मोदी देते हैं। संसाधन पर पहला हक आदिवासियों और गरीबों का है, लेकिन कांग्रेस की सोच इससे अलग है।

ममता सरकार को झटका, हाईकोर्ट ने रद्द की 24 हजार शिक्षकों की भर्ती

कोलकाता। ममता बनर्जी सरकार को कलकत्ता हाईकोर्ट ने शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में झटका दिया है। हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग द्वारा की शिक्षक भर्ती को रद्द कर 2016 का पूरा जॉब पैनल रद्द कर दिया है और लगभग 24 हजार नौकरियां रद्द कर दीं। इस भर्ती में 5 से 15 लाख रुपये की रिश्वत लेने तक की आरोप हैं। बता दें कि भर्ती घोटाले में पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और कई टीएमसी पदाधिकारियों के साथ ही राज्य शिक्षा विभाग के कई अधिकारी जेल की हवार खा चुके हैं। कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश के बाद ईडी और सीबीआई दोनों इस कथित अनियमितताओं की जांच कर रही हैं। यह घोटाला 2014 का है। तब पश्चिम बंगाल स्कूल सर्विस कमिशन (एसएससी) ने सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती निकाली थी। यह भर्ती प्रक्रिया 2016 में शुरू हुई थी। उस समय पार्थ चटर्जी शिक्षा मंत्री थे। इस मामले में कई शिकायतें कोलकाता हाईकोर्ट में दाखिल की गई थीं। याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि जिन उम्मीदवारों के नंबर कम थे उन उम्मीदवारों को मेरिट लिस्ट में सबसे ऊपर स्थान दिया गया था। इनमें कुछ शिकायतें ऐसी भी थीं, जिनमें कहा गया था कि कुछ लोगों का मेरिट लिस्ट में नाम नहीं होने के बाद भी नौकरी दे दी गई। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि कुछ ऐसे भी उम्मीदवारों को नौकरी दी गई, जिन्होंने टीईटी परीक्षा भी पास नहीं की थी। जबकि शिक्षक भर्ती के लिए टीईटी की परीक्षा पास करना अनिवार्य है। इसी तरह से राज्य में 2016 में एसएससी द्वारा ग्रुप-डी की 13000 भर्ती के मामले में शिकायतें मिली थीं। हाईकोर्ट ने इन सभी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। इसके बाद ईडी ने शिक्षक भर्ती और कर्मचारियों की भर्ती के मालमे में मनी ट्रेल की जांच शुरू की थी। सीबीआई ने इस मामले में पिछले साल 18 मई को पार्थ चटर्जी से पूछताछ भी की थी।

पहले चरण के मतदान के बाद साफ हुआ ... इंडिया' गठबंधन के पक्ष में लहर चल रही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बाद दावा किया कि देश भर में 'इंडिया' गठबंधन के पक्ष में लहर चल रही है और अब भाजपा दक्षिण भारत में साफ और उत्तर भारत में 'हाफ (आधी) है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा भी किया कि पहले चरण के मतदान के बाद से भाजपा के नेता घबरा गए हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ट्वीट इसका संकेत है। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीट पर शुक्रवार को लगभग 63 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

पहले चरण का मतदान समाप्त होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्हें जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है और यह स्पष्ट है कि पूरे भारत में लोग रिकॉर्ड संख्या में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को वोट दे रहे हैं। रमेश ने पोस्ट किया, भाजपा का ग्राफ-दक्षिण में साफ, उत्तर में हाफ। उन्होंने दावा किया, ''पहले चरण में 21 राज्यों की 102 सीटों पर वोटिंग हुई। जमीन की रिपोर्ट से साफ हो रहा है कि इंडिया गठबंधन भाजपा से कहीं आगे है। इंडिया गठबंधन ने तमिलनाडु और महाराष्ट्र में क्लीन स्वीप किया है। बिहार, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में हमारा प्रदर्शन शानदार रहा है।''

उनके मुताबिक, भाजपा के प्रत्याशियों ने खुले तौर पर स्वीकार किया है कि इस बार उन्हें कड़ी मेहनत करनी होगी, क्योंकि मोदी की कोई हवा नहीं है?। कांग्रेस नेता ने दावा किया, ''चुनाव अभियान के दौरान प्रधानमंत्री अपने भाषणों और साक्षात्कारों में बिल्कुल निष्प्रभावी नज़र आ रहे हैं। इंडिया गठबंधन पर उनके हमले थके हुए से लग रहे हैं और बेतुकेपन से भरे हैं। वह कुछ भी बोल रहे हैं।

कांग्रेस नेता रमेश ने कहा, गारंटी को लागू करने के मामले में हमारी राज्य सरकारों के शानदार ट्रैक रिकॉर्ड हैं। इससे कांग्रेस की गारंटी देशभर में लोकप्रिय हो रही है और चर्चा का विषय बनी हुई हैं। देशभर में अंडर करंट मजबूत हो रहा है। अब एक लहर चल रही है।

आप नेता का आरोप.....ये मोदी वाशिंग पाउडर चुटकियों सारे भष्ट्राचार के दाग धो देता

नई दिल्ली। आप नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने रांची में विपक्षी इंडिया ब्लॉक की रैली को संबोधित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सत्तारूढ़ भाजपा पर तीखा हमला किया। रैली को संबोधित कर आप नेता सिंह ने कहा, नरेंद्र मोदी भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलते हैं। उन्होंने गलत आरोप लगाकर हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल को जेल में डाल दिया। जब वह भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलते हैं, तब ऐसा लगता है जैसे ओसामा बिन लादेन और गब्बर सिंह अहिंसा का उपदेश दे रहे हो। रैली आप सांसद ने आरोप लगाया कि भाजपा में शामिल होने के बाद विपक्षी नेताओं के खिलाफ मामलों को खारिज कर दिया गया। आप नेता सिंह ने कहा, 2014 के बाद एक मोदी वाशिंग पाउडर आया है, जो आपके सारे भ्रष्टाचार साफ कर देता है। यह मोदी वाशिंग पाउडर चुटकियों में सारे दाग मिटा देता है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के आरोपी कई नेता भाजपा में शामिल हो गए या एनडीए का हिस्सा बन गए।

असदुद्दीन ओवैसी ने की मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने की मांग

– एआईएमआईएम प्रमुख ने बिहार के किशनगंज में रैली को किया संबोधित

किशनगंज (एजेंसी)। ऑल इंडिया मज्लिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने संसद में अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व को दर्शाते हुए मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने की मांग की। सांसद ओवैसी ने बिहार की मुस्लिम बहुल सीट किशनगंज में एक रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही। आवैसे ने बिहार विधायक अख्तरुल ईमान को इस सीट से उम्मीदवार बनाया है।

दिवंगत नेता हुमेरा अजीज का जिक्र करते हुए ओवैसी ने कहा कि भाजपा और आरएसएस ने एआईएमआईएम पर राजनीति में महिलाओं की भागीदारी के खिलाफ होने का झूठा आरोप लगाया है। 2004 की शुरुआत में, हमने सिकंदराबाद में एक महिला उम्मीदवार को अपना उम्मीदवार बनाया था। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से देश में 17 लोकसभा चुनाव हुए हैं लेकिन सांसद बनने वाली मुस्लिम महिलाओं की संख्या सिर्फ 20 ही है, तो फिर मुस्लिम महिलाओं के लिए आरक्षण क्यों नहीं।

ओवैसी ने केंद्र की मोदी सरकार द्वारा लाए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर लोकसभा में एक संशोधन पेश किए जाने को लेकर कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मुझसे कहा कि आप एक संशोधन लाना चाहते हैं, लेकिन आपका समर्थन करने वाला ही कोई नहीं है। मैंने जवाब दिया कि अल्लाह मेरे साथ है। ओवैसी ने कहा कि मेरा तर्क है कि मुस्लिम और पिछड़ा वर्ग मिलकर कुल आबादी का लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा हैं। हम इस विशाल सामाजिक वर्ग की महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित नहीं कर सकते।

ओवैसी ने दावा किया कि उनकी बातें जब कई ओबीसी संगठनों तक पहुंचीं तो उनके नेता उन्हें धन्यवाद देने आए और कहा कि ओवैसी साहब, केवल आपने और आपकी पार्टी के सांसद इम्तियाज जलील ने पिछड़े वर्गों की महिलाओं के लिए आरक्षण का मुद्दा उठाया। एआईएमआईएम ने बिहार की 40में से एक दर्जन से अधिक लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। ओवैसी लोकसभा चुनाव का प्रचार करने बिहार आए थे।

अब भारतीय सेना हवाई खतरों को आसमान में ही करेगी खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन और पाकिस्तान की सीमा पर हवाई खतरों और हमलों को आसमान में ही खत्म करने के लिए भारतीय सेना ने नई तैयारी कर ली है। सेना ने 6800 करोड़ रुपए से दो हथियार प्रणाली को एक्वायर करने का फैसला किया है। सेना 500 से ज्यादा लॉन्चर्स के साथ दोनों सीमाओं पर 3000 हजार से ज्यादा मिसाइलों को तैनात करेगी।

पहली मिसाइल कंधे से दागी जाने वाली मैन पोर्टेबल लेगला-एस मिसाइल. इसे रूस के साथ समझौते के तहत लाइसेंस लेकर भारत में ही बनाया जाता है। दूसरी मिसाइल है वेसहोरड। यह स्वदेशी मिसाइल सिस्टम है। दोनों ही कम रेंज के लिए उपयुक्त हथियार प्रणाली है। इन मिसाइलों से दुश्मन के ड्रोन, हेलिकॉप्टर, फाइटर जेट्स, मिसाइलों को ढेर किया जा सकता है।

इग्ला-एस एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल का वजन 10.8 किलोग्राम है। जबकि पूरे सिस्टम का वजन 18 किलोग्राम सिस्टम की लंबाई 5.16 फीट होती है। व्यास 72 मिलिमीटर. इस मिसाइल की नोक पर 1.17 किलोग्राम वजन का विस्फोटक लगाते हैं। लेगला-एस की रेंज 5 से 6 किलोमीटर है। अधिकतम 11 हजार फीट तक जा सकती है। यह मिसाइल 2266 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से टारगेट की तरफ बढ़ती है. यानी दुश्मन को बचने का मौका कम ही मिलता है। नई इग्ला-एस हैंड-हेल्ड एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल भारतीय सेना में शामिल पुरानी इग्ला मिसाइल को बदलेगी।

वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम को चीन और पाकिस्तान सीमा पर तैनात किया जाना है. इसके कई सफल परीक्षण हो चुके हैं। वेसहोरडएयर डिफेंस सिस्टम रूस के एस-400 जैसा है। अभी तक इसे जमीन पर रखे मैन पोर्टेबल लॉन्चर से दागा जाता था। अब इस लॉन्चर को ट्रक, बख्तरबंद वाहन, टैंक आदि पर भी लगा सकते हैं।

15 मई से पहले केजरीवाल के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर कर सकती है ईडी !

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडी 15 मई से पहले सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर कर सकती है, जिसमें आम आदमी पार्टी को भी आरोपी बनाया जा सकता है। जानकारी के मुताबिक ईडी यदि आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाती है तो यह पहली बार होगा जब किसी राजनीतिक दल के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग ऐक्ट में मुकदमा चलाया जाएगा। इससे आप के लिए बड़े संकट की शुरुआत हो सकती है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि चार्जशीट को ड्राफ्ट किए जाने का काम फाइनल होने वाला है। यह भी बताया गया है कि पुराने चार्जशीट्स में आरोपी लगाए गए लोगों के अलावा इस बार 4-5 और नए नाम हो सकते हैं। अरविंद केजरीवाल और के कविता के अलावा सप्लीमेंट्री चार्जशीट में गोवा के राजनीतिक कार्यकर्ता चनप्रीत सिंह का भी नाम हो सकता है। सिंह को 15 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था। आरोप है कि वह गोवा विधानसभा चुनाव में उन्होंने आप की फंडिंग का प्रबंधन किया था। ईडी का दावा है कि घोटाले की रकम का इस्तेमाल गोवा में चुनाव प्रचार के लिए किया गया।

ईडी का कहना है कि इसके दायरे में राजनीतिक दल समेत कोई भी संगठन आ सकता है। जानकारों का मानना है कि यदि आप को आरोपी बनाया जाता है तो यह पार्टी के लिए अब तक का सबसे बड़ा संकट होगा। इससे पार्टी के बैंक अकाउंट से लेकर अन्य संपत्ति को सीज किया जा सकता है। कुछ जानकार तो यह भी कहते हैं कि ऐसा करना केजरीवाल की गिरफ्तारी से भी झटका होगा। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को कथित शराब घाटोले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था।

अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि हवाला लेनदेन में शामिल कुछ और लोगों नाम भी चार्जशीट में सामने आ सकते हैं। ईडी अधिकारियों ने कहा कि राजनीतिक दल को आरोपी बनाना अभूतपूर्व है, लेकिन उन्होंने इसके लिए कानूनी सलाह ली है। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने भी संकेत दिए थे कि आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाया जा सकता है।

अदालतों में अलग-अलग आवेदनों की सुनवाई के दौरान ईडी के वकील ने बताया है कि आम आदमी पार्टी के खिलाफ पीएमएलए की धारा 70 के तहत कार्रवाई हो सकती है। इसका इस्तेमाल किसी कंपनी के खिलाफ किया जाता है।

तारीख पर तारीख...लेकिन गाजीपुर लैंडफिल साइट आज भी प्रदूषण की निशानी बनी हुई

अमेठी (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। गाजीपुर लैंडफिल दुनियाभर में जाना-पहचाना जाता है। आए दिन लैंडफिल को खत्म करने की मांग जोर पकड़ती रहती है, लेकिन इस बार ये तब चर्चा में आया जब इस पर भयंकर आग लग गई। इससे पूरा इलाका जहरीली गैस और धुएं से भर गया है। 70 एकड़ में फैली गाजीपुर लैंडफिल साइट की शुरुआत साल 1984 में शुरू हुई थी। इसकी ऊंचाई कुतुब मीनार के बराबर करीब 65 मीटर हो चुकी थी। हालांकि, अब ये घटकर 50 मीटर ऊंची है। पहले यहां करीब 140 लाख टन कचरा पड़ा हुआ था। साल 2024 में इस लैंडफिल को खत्म करने का लक्ष्य था, लेकिन अब साल 2026 तक बढ़ा दिया गया है।

साल 2019 में गाजीपुर लैंडफिल साइट पर जमे कूड़े को हटाने का काम शुरू हुआ था, तब वहां 140 मैट्रिक टन कूड़ा मौजूद था। उसके बाद एलजी की निगरानी में तय हुआ था कि साल 2024 तक लैंडफिल साइट को खत्म करके यहां पार्क विकसित किया जाएगा पर अब तक ऐसा नहीं हो पाया है। दिल्ली नगर निगम के आंकड़े के मुताबिक, 5 साल में 25 ट्रामेल मशीन की मदद से करीब 46 मैट्रिक टन कूड़े का ही निपटारा हो पाया है। इसकारण कूड़े के पहाड़ को ऊंचाई कम हुई है, लेकिन पूरी तरह खत्म नहीं हुई है और अभी तक इस पर 84 मैट्रिक टन कूड़ा बचा है।

अभी तक कूड़े के पहाड़ को खत्म करने के लिए 1 ही एजेंसी काम कर रही है, क्योंकि दूसरी एजेंसी के चयन की प्रक्रिया के लिए अब तक टेंडर नहीं आया है और इसका कारण है निगम की सबसे पावरफुल कमिटी स्टैंडिंग का गठन ही नहीं हो पाना क्योंकि दिल्ली नगर निगम एक्ट के मुताबिक, कोई भी टेंडर सबसे

पहले स्टैंडिंग कमिटी से अप्रूवल के बाद ही लाया जाता है। इसकारण गाजीपुर कूड़े के पहाड़ पर कचरा निस्तारण का काम 1 ही एजेंसी कर रही है। काम की गति धीमी होने के कारण कचरे के पहाड़ को पूरी तरह से खत्म करने की समय सीमा बढ़ाकर साल 2026 करनी पड़ी है।

भाजपा एक पार्टी नहीं, एक पंथ बन गई जिसमें मोदी को पूजा जा रहा : चिदंबरम

तिरुवनंतपुरम । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी.चिदंबरम ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार पर निशाना साधकर कहा कि भाजपा अब एक राजनीतिक पार्टी नहीं रही, बल्कि एक ऐसा पंथ बन गई है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पूजा करता है। कांग्रेस नेता चिदंबरम ने केंद्र पर निशाना साधकर कहा कि मोदी के 10 साल के शासन में भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता गंभीर रूप से कमजोर हुई है। उन्होंने लोगों से लोकतंत्र को बहाल'' करने की अपील की। चिदंबरम ने कहा कि भले ही कांग्रेस के घोषणापत्र में विवादास्पद नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का उल्लेख नहीं किया गया है, लेकिन इंडिया गठबंधन के सत्ता में आने पर सीएए को निरस्त कर दिया जाएगा। चिदंबरम ने यह उम्मीद भी जाहिर कि' इंडिया गठबंधन तमिलनाडु की सभी 39 सीट और पुडुचेरी की एक सीट पर जीत हासिल करेगा। उन्होंने कहा, ''भाजपा ने 14 दिन में घोषणापत्र तैयार किया, जिसका शीर्षक घोषणापत्र नहीं है। उन्होंने अपने घोषणपत्र को मोदी की गारंटी कहा। भाजपा अब कोई राजनीतिक दल नहीं है। यह एक पंथ बन गई है और यह पंथ नरेन्द्र मोदी की पूजा करता है।'' चिदंबरम ने दावा किया कि 'मोदी की गारंटी' उन देशों की याद दिलाती है, जहां पंथ पूजा होती है। उन्होंने कहा, ''भारत में पंथ पूजा को ताकत मिलनी शुरू हो चुकी है, इससे तानाशाही को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा, यदि मोदी तीसरी बार सत्ता में आते हैं, तब वे संविधान में संशोधन कर सकते हैं.... हमें लोकतंत्र को बहाल करना होगा।''

ई-पुस्तकों तक पहुंच आसान, पर पढ़ने का सुकून मुद्रित पुस्तकों से

(विश्व पुस्तक एवं प्रकाशनाधिकार दिवस विशेष – 23 अप्रैल 2024)

विश्व ज्ञान, आत्मीय शांति, योग्य मार्गदर्शन, समय का सदुपयोग, प्रेरणा, प्रोत्साहन, मददगार, समस्याओं का हल, नवचेतना, नवनिर्मिति, जागरूकता, अद्यतन, बेहतर साथी, सफलता, गुरु, सलाहकार जैसे अनेक मूल्यवान गुणों का सार होती है पुस्तकें। आज के आधुनिक युग में यांत्रिक संसाधनों ने दुनिया भर तक हमारी पहुंच आसान कर दी है। हर ओर जानकारी और सूचना की बाढ़ आ गई है। पुस्तकों को ज्ञान का मुख्य स्त्रोत कहा जाता है, जीवन में सफल होने के लिए किताबों का बेहतर साथ आवश्यक होता है। पुस्तकें मनुष्य के जीवन के आरंभ से अंत तक निस्वार्थ साथ देते हुए पथ-प्रदर्शक की भूमिका में होते है। किताबों से दोस्ती करने वाला इंसान हमेशा खुश और ज्ञानी बना रहता है, जिससे जीवन में मुश्किलें कम होती है। इंटरनेट के द्वारा पुस्तकें बस एक क्लिक पर मौजूद है, जब चाहे तब कहीं पर भी, कभी भी हम ई-पुस्तकें पढ़ सकते हैं, संग्रहीत कर सकते है। हर साल 23 अप्रैल को पुस्तकों के महत्व को समझकर पाठ्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए ''विश्व पुस्तक व प्रकाशनाधिकार दिवस'' दुनिया भर में मनाया जाता है। इस वर्ष 2024 की थीम ₹रीड योर वे₹ है, यह थीम पढ़ने के प्रति प्रेम को बढ़ावा देने में चयन और आनंद के महत्व पर जोर देती है। जीवन में पुस्तकों का स्थान अतुलनीय है, एक अच्छी पुस्तक सौ दोस्तों के बराबर होती है। जिसने किताबों के महत्व को जान लिया है, वह जीवन में कभी असफल नहीं हो सकता। पुस्तकों के सहयोग से हम जीवन में विश्व के हर क्षेत्र का सर्वोत्तम स्थान प्राप्त कर सकते हैं। किताबें पढ़ने की आदत मनुष्य के जीवन को लगातार विकसित करता हैं। मस्तिष्क तेज होकर स्वयं विचार कर कुछ नया ज्ञान खोजने की शक्ति मिलती हैं। पढ़ते रहने से हम अधिक होशियार होते जाते है। लिखने का कौशल, भाषा कौशल सुधरता है, फोकस और एकाग्रता बढ़ती है, हम जीवन में अंधेरे से उजाले की ओर बढ़ते हैं, हम अपने समय का सही इस्तेमाल कर पाते हैं, नयी जानकारी और ज्ञान मिलता है, पढ़ने से तनाव कम होता है, हमेशा हम अद्यावत और जागरूक बने रहते है और पढ़ने से अच्छी नींद आती हैं। भूलने की बीमारी से काफी हद तक दूर रहते हैं। डिजिटलीकरण के कारण हर कोई अपनी मांग और सुविधा अनुसार पुस्तकों को ऑनलाइन पढ़ सकता है, ऑनलाइन के द्वारा हम दुनिया से हर समय जुड़े रहते हैं। पाठकों की रुचि अनुसार, दुनियाभर के विषयों की पुस्तकें उपलब्ध हैं। बहुत से प्रकाशक, कंपनी, शैक्षणिक संस्थान, पेशेवर, ईबुक विक्रेता, सरकारी पोर्टल अपनी वेबसाइट पर डिजिटल स्वरूप में पुस्तक अपलोड करते हैं, ताकि पाठकों तक ई-पुस्तकें पहुंच सकें। पढ़ने का समय बचाने के लिए ऑडियो बुक्स भी डिजिटल मार्केट में उपलब्ध हैं। ई-पुस्तकें बहुत आसानी से उपलब्ध हैं, लेकिन वे कागजी पुस्तकों का स्थान नहीं ले सकतें। बहुत से लोग ऑनलाइन पुस्तकें तो डाउनलोड करते है, लेकिन उसे पूरा पढ़नेवाले बहुत कम होते हैं। यह ई-पुस्तकें हमें पढ़ने के लिए कागजी पुस्तकों की तरह प्रेरित नहीं करती, बल्कि बहुत बार बोझिल महसूस होती हैं। कागजी पुस्तकों की भांति ई-पुस्तकों से लगाव या प्रेरणा की कमी लगती हैं, इनसे हम भावनिक रूप से जुड़ नहीं पाते। कागजी पुस्तकें पाठ्य संस्कृति को बढ़ावा देने में मुख्य सहायक है। ई-पुस्तकों में हम अधिकतर सिर्फ सीमित सूचनाओं को पढ़कर फिर भूल जाते हैं, जबकि कागजी पुस्तकों में पढ़ते वक्त विषय की गहराई में जाकर समस्या का हल ढूंढते हैं, पूरी किताब पढ़ते हैं, जिससे पुस्तक का पूरा ज्ञान हमें हमेशा याद रहता हैं और यही पुस्तक का उद्देश्य होता है कि उसके ज्ञान का पूरा फायदा पाठकों तक पहुचें। जबकि अधिकतर पाठकों द्वारा ई-पुस्तकों में केवल काम निकालने लायक ही जानकारी खोजी जाती हैं। कागजी पुस्तकें पेड़ कटवाते हैं, लेकिन ई-पुस्तकें भी बिजली खर्च करवाकर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते है, तकनीकी खराबी भी एक समस्या है, और ऊपर से मोबाइल, कंप्यूटर, लैपटॉप का ई-कचरा पर्यावरण के लिए पहले से ही घातक स्तर पर पहुंच चूका हैं। जिसे पढ़ना आता हैं, चाहे वह निर्धन ही क्यों न हो, वह कही पर भी पुस्तकें पढ़ सकता है, सार्वजनिक पुस्तकालयों में जा सकता हैं, वहां की पुस्तकें पढ़ सकता है। परन्तु ई-पुस्तकें पढ़ने के लिए विशेष यांत्रिक संसाधन और कौशल की आवश्यकता होती है, जिसके लिए आर्थिक खर्च और कुछ प्रशिक्षण की जरुरत होती हैं, जैसे :- कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल, बिजली, इंटरनेट और तकनिकी कौशल। जबकि कागजी पुस्तकों में यह चीजें आवश्यक नहीं। कक्षाओं में विद्यार्थियों को कागजी पुस्तकों से पढ़ाना आसान होता हैं जबकि ई-पुस्तक से पढ़ाने के लिए प्रोजेक्टर का खर्च वहन करना पढता हैं। पुस्तकों का ज्ञान आत्मसात करने के लिए पढ़ते वक्त ध्यान और नजर पुस्तक पर एकाग्र करनी होती हैं, परन्तु इलेक्ट्रॉनिक साधनों की स्क्रीन पर लगातार ध्यान केंद्रित करना कुछ समय पश्चात तनाव, सिरदर्द, दृष्टिदोष का कारण हो सकता हैं, क्योंकि कंप्यूटर की स्क्रीन आँखों की रोशनी को प्रभावित करती हैं। ई-पुस्तक की आसानी से उपलब्धता, समय की बचत, आसान संग्रहण होने के बावजूद पुस्तक का मुख्य उद्देश्य पुस्तकों में मौजूद पूरा ज्ञान पाठकों द्वारा आत्मसात करना यह कागजी पुस्तकों के मुकाबले ई-पुस्तक में पूर्णता नजर नहीं आता। संकटमय काल में या थोड़े समय के लिए ऑनलाइन अध्ययन वरदान हैं, लेकिन दीर्घ काल में यह शारीरिक और मानसिक समस्या निर्माण कर सकता हैं। यांत्रिक साधनों के लगातार बढ़ते उपयोग से हम उन संसाधनों पर आश्रित होने लगे हैं, अब तो हमें अपनों के मोबाइल नंबर तक याद नहीं रहते। इससे हमारी सोचने-समझने की शक्ति-याददाश्त कमजोर हो रही है, यह आधुनिकता का बहुत बड़ा दोष है। आज तक किसी भी शोध या सर्वेक्षण में मुद्रित किताबें पढ़ने से होने वाली कोई समस्या या नुकसान सामने नहीं आया है, लेकिन कोरोना के समय में ऑनलाइन अध्ययन द्वारा कई शारीरिक और मनोवैज्ञानिक समस्याएं सामने आई हैं। ई-पुस्तकें और मुद्रित पुस्तकों के बीच चयन आखिर हमारा व्यक्तिगत निर्णय है। लेकिन जब हम वैश्विक तौर पर पाठकों की पसंद देखते हैं तब पता चलता है कि, मुद्रित पुस्तकें दुनिया भर के शौकीन पाठकों के दिलों में एक बहुत ही विशेष स्थान रखती हैं। जबकि ई-पुस्तकों का अलग लाभ हैं, अब पाठकों को इन दोनों के संभावित खूबियों/कमियों के प्रति जागरूक रहकर अपनी मांग अनुसार, एक संतुलन बनाना चाहिए जो उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं और पढ़ने की प्राथमिकताओं के लिए सबसे उत्तम हो।

डॉ. प्रितम भि. गेडाम
भ्रमणध्वनी व व्हाट्सअप क्रमांक- 082374 17041
prit00786@gmail.com

CHANGE OF NAME

I HITHERTO KNOWN AS JAY DIPAKBHAI BARIYA S/O. **DIPAKBHAI HARJIBHAI BARIA** RESIDING AT HOUSE NO.:- 2079, CHORO KHIRESHWAR, GHOGHLA, DIU, PIN CODE: - 362540, (U.T DNH & DD) HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS **JAYKUMAR DIPAKBHAI BARIA.**

Adv. for applicant Shivkumar
Next date: 04/05/2024

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-000233-2024
C. M. A. No. 147/2024

1. Kanji Lacmane & Anr, ... Applicant/s

Vs

The Civil Registrar Diu. .... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parents names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No. 207, dated: 07/08/1992.**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 04/04/2024.

CIVIL JUDGE (S.D.) DIU.

By Order
A.S. / Superintendent,
Diu

Adv. for applicant M N Paida
Next date: 12/04/2024

PUBLIC NOTICE

IN THE COURT OF THE HON'BLE CIVIL JUDGE SENIOR DIVISION, DIU, AT: DIU.

CNR-UTDD02-000195-2024
C. M. A. No. 116/2024

1. Dipakkumar Ramji Solanki & 1 Anr .... Applicant/s

Vs

The Civil Registrar Diu. .... Opponent/s

The public at large to take note that applicants above named have filed application for rectification of their marriage records under Article 3 read with article 97 & 98 of Portuguese Civil Registration Code.

Whereas they intendant to rectify the date of marriage / their names / their parents names previously registered in the record of marriage kept and preserved by Civil Registrar Office, Diu, against Marriage **Entry No. 327/2002, dated: 23/09/2002.**

Therefore, if anybody has any objection for rectification of the marriage record of Civil Registrar Diu, shall appear either in person or through advocate and file written objection within 30 days of publication of this notice. If objection of whatsoever nature is not registered before this Hon'ble Court then necessary order will be passed and objection if any raised afterwards shall not be considered.

Place: Diu.
Date: 20/03/2024.

CIVIL JUDGE (S.D.) DIU.

By Order
A.S. / Superintendent,
Diu

हनुमान जयंती पर बना त्रेता युग जैसा संयोग, नक्षत्र व्रत को बना रहे खास, ब्रह्ममुहूर्त का समय

अप्रैल को देश भर में हनुमान जयंती मनेगी और ब्रह्म मुहूर्त में बजरंगबली की आरती, पूजा की जाएगी। खास बात यह है कि इस साल हनुमान जयंती पर त्रेता युग जैसा संयोग बन रहा है। इस कारण इस दिन पूजा से कई गुना अधिक फल मिलने वाला है। इस दिन मीन राशि में पंच ग्रही योग बन रहा है, आइये जानते हैं हनुमान जयंती शुभ मुहूर्त, योग, पूजा सामग्री, त्रेता युग जैसा संयोग, नक्षत्र, पूजा विधि, मंत्र क्या हैं। हनुमान जयंती पर त्रेता युग जैसा संयोग धार्मिक ग्रंथों के अनुसार बजरंगबली भगवान शिव के 11वें अवतार हैं। हनुमानजी का जन्म त्रेता युग के अंतिम चरण में चैत्र पूर्णिमा मंगलवार के दिन चित्रा नक्षत्र और मेष लग्न में सूर्योदय के समय हुआ था। इसलिए हनुमान जयंती के दिन मंदिरों में ब्रह्म मुहूर्त में आरती कीर्तन किया जाता है। सूर्योदय के साथ यह संपन्न हो जाता है। इसके बाद राम सीता के अनन्य भक्त आंजनेय की कृपा से भंडारा आदि ही होता है। पं शिवम तिवारी के अनुसार साल 2024 में भी मंगलवार को चित्रा नक्षत्र, मेष लग्न पड़ रहा है, जिसमें हनुमान जयंती मनेगी। खास बात यह है कि इस साल भी हनुमान जयंती इसी नक्षत्र और लग्न में है। इसी के साथ सिद्ध योग और वज्र योग इसे खास बना रहे हैं। साथ ही यह जयंती मंगलवार को है, जिसके देवता बजरंगबली हैं। इसी दिन युद्ध, पराक्रम और साहस के कारक मंगल ग्रह 23 अप्रैल 2024 को सुबह 08.19 बजे मीन में प्रवेश करेंगे। इसलिए यह हनुमान जयंती और विशेष हो गई है। इस दिन बजरंग बली की पूजा अर्चना से मंगल दोष, शनि दोष आदि से भी राहत मिलेगी। आपके संकट दूर हो जाएंगे। इन ग्रहों की बनेगी युति वाराणसी के पं. शिवम तिवारी के अनुसार हनुमान जयंती पर ग्रहों के योग से दुर्लभ संयोग बन रहा है। इस दिन चित्रा नक्षत्र का प्रभाव तो रहेगा ही मंगल मीन राशि में आकर राहु, शुक्र, बुध, नेपच्यून के साथ युति बनाएंगे, जिससे पंचग्रही योग बनेगा। खास बात यह है कि हनुमान जयंती के दिन मंगलवार का भी शुभ संयोग है।

हनुमान जयंती कब है
पूर्णिमा तिथि प्रारंभः 23 अप्रैल 2024 को सुबह 03:25 बजे
पूर्णिमा तिथि समाप्तः 24 अप्रैल 2024 को सुबह 05:18 बजे
(हनुमान जयंती उदयातिथि में मंगलवार 23 अप्रैल 2024 को मनेगी)
हनुमानजी की पूजा का सबसे शुभ समयः सुबह 9.03 बजे से 10.41 बजे तक

हनुमान जयंती के योग
वज्र योगः सुबह 4.57 से 24 अप्रैल तक
सिद्धि योगः पूरे दिन
चित्रा नक्षत्रः 23 अप्रैल रात 10.32 बजे तक
उदय लग्न मुहूर्तः मेष सुबह 05:27 बजे से 07:07 बजे तक

हनुमान जयंती पूजा मुहूर्त
हनुमान जयंती पर ब्रह्म मुहूर्तः सुबह 4.20 बजे से 5.04 बजे तक
अभिजीत मुहूर्तः सुबह 11.53 बजे से दोपहर 12.46 बजे तक
हनुमान जयंती पहली पूजा मुहूर्तः सुबह 9.03 बजे से दोपहर 1.58 बजे तक
हनुमान पूजा मुहूर्तः रात 08.14 बजे से रात 09.35 बजे तक

हनुमान जयंती का कार्यक्रम
हनुमान जयंती चैत्र पूर्णिमा को मनाई जाती है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में हनुमान जयंती इस दिन से शुरू होकर 41 दिनों तक मनाई जाती है और वैशाख कृष्ण पक्ष के दसवें दिन संपन्न होती है। तमिलनाडु में हनुमान जयंती को हनुमथ जयंती के नाम से जाना जाता है और मार्गशीर्ष अमावस्या के दौरान मनाया जाता है। ग्रेगोरियन कैलेंडर में तमिल हनुमान जयंती जनवरी या दिसम्बर माह में आती है। वहीं कर्नाटक में मार्गशीर्ष माह की शुक्ल पक्ष त्रयोदशी को हनुमान जयंती मनाई जाती है। इस शुभ दिन को हनुमान व्रतम के नाम से जाना जाता है। हनुमान जयंती पूजा सामग्री हनुमान जयंती पूजा के लिए पहले ही लकड़ी की चौकी, बिछाने के लिए लाल कपड़ा, लाल लंगोट, जनेऊ, चोला, जल कलश, सिंदूर, चमेली का तेल, पंचामृत, गंगाजल, अक्षत, चंदन, गुलाब के फूलों की माला या फिर कोई अन्य लाल फूल, इत्र, भुने चने, गुड़, नारियल, केला या अन्य फल, चूरमा, पान का बीड़ा, दीपक, धूप अगरबत्ती, कपूर, घी, तुलसी पत्र, पूजा थाली एकत्र कर लेना चाहिए। हनुमान जयंती पूजा विधि ब्रह्म मुहूर्त से पहले उठें और स्नान ध्यान कर पूजा अर्चना करें या दूसरे शुभ मुहूर्त में बजरंगबली की पूजा करें। अगर आप व्रत रखना चाहते हैं तो पवनपुत्र का स्मरण करते हुए व्रत का संकल्प ले लें और पूजा शुरू करें। सबसे पहले लकड़ी की चौकी में लाल रंग का साफ कपड़ा बिछाकर भगवान हनुमान की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। इसके बाद अनामिका अंगुली से हनुमानजी को सिंदूर लगाएं, फिर चमेली का तेल, गुलाब या लाल फूल चढ़ाने के साथ केसर युक्त चंदन, माला, चोला, जनेऊ, लाल लंगोट आदि अर्पित करें। इसके बाद एक रूई में इत्र लगाकर चढ़ा दें। इसके बाद भोग में बूंदी के लड्डू, बेसन के लड्डू, गुड़-भीगे चने की दाल या अपनी श्रद्धा के अनुसार अर्पित करें, तुलसी दल चढ़ाएं, इसके साथ ही पान का बीड़ा चढ़ाएं। इसके बाद जल चढ़ाने के बाद शुद्ध घी या चमेली के तेल का दीपक, अगरबत्ती, धूप जलाकर मूर्ति के सामने 3 बार घुमाकर आरती करें। इसके बाद हनुमान चालीसा, बजरंग बाण, हनुमान मंत्र आदि का पाठ कर लें, आरती करें और पूजा पाठ में गलती से माफी मांगें। हनुमानजी के मंत्र हं हनुमंते नमः। ॐ नमो हनुमते रूद्रावताराय सर्वशत्रुसंहारणाय सर्वरोग हराय सर्ववशीकरणाय रामदूताय स्वाहा। ॐ नमो हनुमते आवेशाय आवेशाय स्वाहा। ॐ महाबलाय वीराय चिरंजिवीन उद्दते. हारिणे वज्र देहाय चोलंग्घितमहाव्यये। नमो हनुमते आवेशाय आवेशाय स्वाहा। हनुमन्नंजनी सुनो वायुपुत्र महाबलः अकस्मादागतोत्पांत नाशयाशु नमोस्तुते।

क्यों गर्मी के दिनों में बढ़ जाती हैं सांप के काटने की घटनाएं

नई दिल्ली (ईएमएस)। आपने कभी सोचा है कि आखिर गर्मी के दिनों में सांप अपने बिल से बाहर क्यों निकल आते हैं? इस मौसम में सांप काटने की घटनाएं आखिर क्यों बढ़ती है? सांप, 'कोल्ड ब्लडेड' यानी ठंडे खून वाले जानवर हैं। इसका मतलब है कि वे अपने शरीर का तापमान खुद मेंटेन नहीं कर सकते हैं। ठंड के दिनों में पर्याप्त एनर्जी नहीं मिलने से सांप का मेटाबॉलिज्म बहुत स्लो होता है, इसलिये वे न तेजी से भाग सकते हैं और न शिकार कर सकते हैं। इसलिए ज्यादातर वक्त सोते हुए बिताते हैं। कोशिश करते हैं कि जो एनर्जी इकट्ठा की है, उस ताकत को स्टोर करके रखें। लेकिन गर्मी शुरू होते और तापमान बढ़ते ही ये अपने बिल से बाहर निकल आते हैं। चूंकि गर्मी के मौसम में सांप को पर्याप्त एनर्जी मिलती है और उनका मेटाबॉलिज्म बूस्ट हो जाता है, इसकारण सांप अधिक सक्रिय हो जाते हैं। शिकार की तलाश में निकलते हैं और प्रजनन भी करते हैं। जानकार कहते हैं कि तापमान बढ़ने के साथ सांप का शरीर भी गर्म होने लगता है, जिससे उनकी मृत्यु भी हो सकती है। इसकारण तापमान में बढ़ोतरी के साथ सांप, ठंडी जगह की तलाश में अपने बिल से बाहर आ जाते हैं और रिहायशी इलाकों के आसपास दिखाई देने लगते हैं। गर्मी के दिनों में दैनिक तापमान में प्रत्येक डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी के साथ सांप के काटने का चांस लगभग 6 प्रतिशत बढ़ता जाता है। भारत में हर साल 5,8000 से ज्यादा लोगों की मौत सांप काटने की वजह से होती है। आंकड़ों से पता लगता है कि सबसे ज्यादा मामले अप्रैल से अक्टूबर के बीच सामने आते हैं। सांप के कटने के 80 फीसदी से ज्यादा मामले ग्रामीण इलाकों के होते हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था के बढ़ने का परिदृश्य

डा. जयंतीलाल भंडारी

खाद्य प्रसंस्करण में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां निर्यात में वृद्धि नहीं हुई है। इस समय भारत की खाद्य प्रसंस्करण क्षमता 12 लाख टन से बढकर दो सौ लाख टन हो गई है। पिछले नौ वर्षों में खाद्य प्रसंस्करण निर्यातों में 15 गुना वृद्धि हुई है। निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 13 से बढकर 23 प्रतिशत हो गई है। भारत में खाद्य प्रसंस्करण के तहत पांच क्षेत्र हैं। एक डेयरी क्षेत्र, दो फल एवं सब्जी प्रसंस्करण, तीन अनाज का प्रसंस्करण, चार मांस मछली एवं पोल्ट्री प्रसंस्करण तथा पांच, उपभोक्ता वस्तुएं पैकेट बंद खाद्य और पेय पदार्थ। खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर के यह भी उल्लेखनीय हैं कि इन प्रमुख पांचों क्षेत्रों की व्यापक संभावनाओं को मुट्ठियों में करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं।

हाल ही में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत के तेजी से बढ़ते हुए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में ग्रामीण अर्थव्यवस्था की अहम भूमिका है। बढ़ते हुए कृषि उत्पादन और ग्रामीण बाजारों में मांग बढ? से निजी खपत में भी तेजी आ रही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और प्रमुख मौसम एजेंसी स्काईमेट ने कहा है कि अनुकूल मानसूनी मौसम के कारण इस वर्ष 2024 में भारत में अच्छी वर्षा के स्पष्ट संकेत खेती और भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसी प्रकार हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के द्वारा कहा गया है कि इस वर्ष 2024 में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के सामान्य रहने की उम्मीद है जिससे कृषि गतिविधियों में और तेजी आएगी। ग्रामीण बाजारों में भी मांग बढ? से अर्थव्यवस्था को तेज गति मिलेगी। गौरतलब है कि विभिन्न रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीण अधिक खर्च कर रहे हैं। गांवों में न केवल कृषि संबंधी संसाधनों की अधिक बिक्री हो रही है, वरन गांवों में फ्रिज, दोपहिया वाहन और टीवी की खरीददारी में सबसे उच्च स्तर पर है। यह सब ग्रामीण भारत में भविष्य के प्रति उत्साह और वर्तमान के बेहतर परिणामों का प्रतीक है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत में पिछले एक दशक में शहरी परिवारों के मुकाबले ग्रामीण परिवारों का खर्च तेजी से बढ़ा है। ग्रामीण भारत के विकास के लिए सरकारी योजनाओं के तहत किए गए भारी व्यय, ग्रामीणों के रोजगार की मनरेगा योजना तथा स्वरोजगार की ग्रामीण योजनाओं से ग्रामीण परिवारों की आमदनी में तेज इजाफे के साथ उनकी क्रय शक्ति और मांग में भारी इजाफा हुआ है। इससे ग्रामीण भारत की आर्थिक ताकत में इजाफा हुआ है। यद्यपि अभी आम चुनाव के बाद जून 2024 में गठित होने वाली नई सरकार के मूर्तरूप लेने में कोई दो माह बकाया है, लेकिन उच्च प्रशासनिक स्तर पर वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के मकसद से जिन क्षेत्रों के लिए आगामी पांच सालों के लिए प्रभावी रणनीति बनाई जाना शुरू की गई है, उनमें कृषि भी प्रमुख है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि इस समय पूरी दुनिया में भारत को खाद्यान्न का नया वैश्विक कटोरा माना जा रहा है। भारत दुनिया का तीसरा बड़ा खाद्यान्न उत्पादक देश है। दुनिया में भारत सबसे बड़ा दूध उत्पादक

देश बना हुआ है। गेहूं तथा फलों के उत्पादन के मामले में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर तथा सब्जियों के उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। विश्व स्तर पर भारत केला, आम, अमरूद, पपीता, अदरक, भिंडी, चावल, चाय, गन्ना, काजू, नारियल, इलायची और काली मिर्च आदि के प्रमुख उत्पादक के रूप में जाना जाता है। साथ ही खाद्य प्रसंस्करण के मामले में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। निश्चित रूप से पिछले 10 वर्षों में कृषि एवं ग्रामीण विकास का नया आधार तैयार हुआ है। देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि क्षेत्र का योगदान करीब 15 फीसदी है। सरकार के द्वारा ग्रामीण एवं कृषि विकास के लिए एक के बाद एक रणनीतिक कदम उठाए गए हैं। कृषि बजट में 10 वर्षों में 5 गुना वृद्धि हुई है। किसानों के सशक्तिकरण, फसलों के लिए किसानों को लाभप्रद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दिए जा रहे हैं। सरकार के द्वारा 11 करोड़ से अधिक किसानों के जनधन खातों में पीएम किसान सम्मान निधि के तहत करीब 3 लाख करोड़ रुपए सीधे हस्तांतरित होने जैसे प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्रों में उर्वरक, बीज, कृषि, रसायन, ट्रैक्टर एवं कृषि उपकरण, जैसी कृषि क्षेत्र से जुड़ी हुई वस्तुओं के अधिक उपयोग से किसानों को लाभ हुआ है और इन सबसे जहां एक ओर भारत में कृषि क्षेत्र अधिक प्रतिस्पर्धी एवं लाभदायक बन रहा है, वहीं दूसरी ओर छोटे किसान अधिक लाभान्वित हो रहे हैं। जहां कोविड-19 की आपदाओं से लेकर अब तक भारत वैश्विक स्तर पर दुनिया के जरूरतमंद देशों की खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने में अहम भूमिका निभाते हुए दिखाई दे रहा है, वहीं भारत ने दुनियाभर में कृषि उत्पादों के निर्यात बढ़ाने का अवसर भी मुट्ठियों में लिया है। भारत से कृषि निर्यात लगातार बढ़ते जा रहे हैं। भारत से अनाज, गैर-बासमती चावल, बाजरा, मक्का और अन्य मोटे अनाज के अलावा फलों एवं सब्जियों के निर्यात में भारी वृद्धि देखी गई है। भारत के कृषि उत्पादों के बड़े बाजारों में अमरीका, चीन, बांग्लादेश, वियतनाम, इंडोनेशिया, नेपाल, ईरान और मलेशिया शामिल हैं। कई छोटे देशों के बाजार भी मुट्ठियों में आए हैं। उल्लेखनीय है कि विश्व बाजार में भारत के मसालों की खुशबू की धमक बहुत अधिक बढ़ी है। चूंकि देश में मसाले की खेती में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाता है, अतएव इसका असर वैश्विक बाजार में भारतीय मसालों की निर्यात मांग बढ? के रूप में रेखांकित हो रहा है। इस समय दुनिया में कृषि निर्यात में भारत का स्थान सातवां है। भारत से करीब करीब 50 हजार डॉलर से अधिक मूल्य का कृषि निर्यात होता है।

खाद्य प्रसंस्करण में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां निर्यात में वृद्धि नहीं हुई है। इस समय भारत की खाद्य प्रसंस्करण क्षमता 12 लाख टन से बढकर दो सौ लाख टन हो गई है। पिछले नौ वर्षों में खाद्य प्रसंस्करण निर्यातों में 15 गुना वृद्धि हुई है। निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 13 से बढकर 23 प्रतिशत हो गई है। भारत में खाद्य प्रसंस्करण के तहत पांच क्षेत्र हैं। एक डेयरी क्षेत्र, दो फल एवं सब्जी प्रसंस्करण, तीन अनाज का प्रसंस्करण, चार मांस मछली एवं पोल्ट्री प्रसंस्करण तथा पांच, उपभोक्ता वस्तुएं पैकेट बंद खाद्य और पेय पदार्थ। खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर के यह भी उल्लेखनीय हैं कि इन प्रमुख पांचों क्षेत्रों की व्यापक संभावनाओं को मुट्ठियों में करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इससे ग्रामीण भारत लाभान्वित हो रहा है। यह बात महत्वपूर्ण है कि फरवरी 2024 में भारत के द्वारा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबूधाबी में आयोजित विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के 13वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में खाद्य सुरक्षा, खाद्यान्नों के सार्वजनिक भंडारण एवं न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के स्थायी समाधान के लिए जिस तरह प्रभावी पहल की, उसके कारण इस सम्मेलन में इन मुद्दों पर कई विकसित देश भारत के किसानों के हितों के प्रतिकूल कोई प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ा पाए।

ऐसे में अब भी भारत अपने किसानों के उपयुक्त लाभ के लिए नीतियां बनाते हुए खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक भंडारण की सुविधा से कृषि और ग्रामीण विकास के अभियान को आगे बढ़ा सकेगा। यह भी उल्लेखनीय है कि 24 फरवरी 2024 को सरकार ने सहकारी क्षेत्र में दुनिया की जिस सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण योजना के लिए प्रायोगिक परियोजना के तहत जिन 11 राज्यों में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को लक्षित किया गया है, उनके माध्यम से पैक्स की किसानों के हित में बहुआयामी भूमिका होगी। ऐसे में नई खाद्यान्न भंडार योजना के माध्यम से देश में खाद्यान्न भंडारण की जो क्षमता फिलहाल 1450 लाख टन की है, उसे अगले 5 साल में सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करके कुल खाद्यान्न भंडारण क्षमता 2150 लाख टन किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह अभूतपूर्व खाद्यान्न भंडारण व्यवस्था नए भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए बहुआयामी उपयोगिता देते हुए दिखाई देगी। हम उम्मीद करें कि लोकसभा चुनाव के बाद गठित होने वाली नई सरकार कृषि एवं ग्रामीण विकास के साथ-साथ कृषि सुधारों की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगी और इससे किसानों व ग्रामीण भारत के चेहरे पर मुस्कुराहट बढ़ते हुए दिखाई दे सकेगी। इस तरह ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि में व्यापक विकास के आसार हैं।

संपादकीय

कम मतदान पर चिंता

सात चरणों में कराए जा रहे आम चुनाव-24 के प्रथम चरण में 2019 की तुलना में करीब चार फीसद कम मतदान होने से चुनाव आयोग, राजनीतिक दल गरज यह कि चुनाव प्रक्रिया से संबद्ध सभी पक्ष चिंता में पड़ गए हैं। गौरतलब है कि अठारहवीं लोक सभा के लिए प्रथम चरण का मतदान अपेक्षाकृत धीमी गति से शुरू हुआ लेकिन दिन चढ़ने के बाद भी धीमापन आखिर तक बरकरार रहा। मतदान के एक दिन बाद ही शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मतदाताओं से अपील की कि मतदान, चाहे किसी को भी वोट करें, में जरूर हिस्सा लें। कम मतदान के कारणों की पड़ताल शुरू हो चुकी है, और कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि कई राज्यों में लू की स्थिति, शादियों के मुहूर्त और मतदाताओं में उत्साह की कमी के चलते मतदान फीसद में गिरावट आई है। चार फीसद कम मतदान का मतलब हुआ कि पिछली बार की तुलना में इस बार करीब 48 लाख मतदाता मत देने नहीं पहुंचे। मतदान का पहला चरण बाकी के चरणों का रुख तय करता है, जैसा कि पिछले दो संसदीय चुनावों के आंकड़ों से पता चलता है। इस लिहाज से कहा जा सकता है कि बाकी बचे छह चरणों में भी मतदाताओं में उदासीनता का रुख बना रह सकता है, जो विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए स्वास्थ्य के लिए अच्छी बात नहीं है। यह सवाल परेशानी का सबब बन चुका है कि आखिर, शिक्षित मतदाता तक अपने मताधिकार का उपयोग करने के प्रति इस कदर गैर-जिम्मेदाराना रवैया क्यों अपना रहा है। इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि देश के नागरिक का अपने देश के प्रति, लोकतंत्र के प्रति दायित्व सर्वोपरि है। यदि नागरिक इस प्रकार से मतदान के प्रति बेरुखी दिखाएगा तो लोकतंत्र कैसे समृद्ध बना रह पाएगा। आने वाले छह चरणों में भी मतदाता का यही रुख न बना रहे इसके लिए समन्वित प्रयास करने जरूरी हैं। हालांकि चुनाव आयोग चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए खासे प्रयास अरसे से करता रहा है। इस क्रम दस से ज्यादा मशहूर हस्तियों को राजदूत के रूप में नियुक्त करने के साथ ही आईपीएल दर्शकों के बीच मतदान के प्रति जागरूकता फैलाने का काम किया गया। कहना यह कि चुनाव आयोग ने मतदाताओं को अपने अधिकार के उपयोग यानी मतदान के लिए प्रेरित करने में अपने तई कोई कसर नहीं छोड़ी लेकिन इसके बावजूद मतदान में गिरावट देखने को मिली है। मतदान को अनिवार्य किए जाने का विकल्प भी खुला है। हालांकि वह नौबत न ही आए तो अच्छा।

चिंतन-मनन

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है।

यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है।

एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके। उदाहरण के लिए ज्यों ही वह कुत्ते के शरीर में स्थापित किया जाता है, उसे कुत्ते की भांति आचरण करना होता है। यदि जीव को शूकर का शरीर प्राप्त होता है, तो वह मल खाने तथा शूकर की भांति रहने के लिए बाध्य है। इसी प्रकार यदि जीव को देवता का शरीर प्राप्त होता है, तो उसे अपने शरीर के अनुसार कार्य करना होता है। यही प्रकृति का नियम है। लेकिन समस्त परिस्थितियों में परमात्मा जीव के साथ विद्यमान रहता है।

लोकसभा चुनाव को धार्मिक ध्रुवीकरण की ओर ले जाने की कोशिश

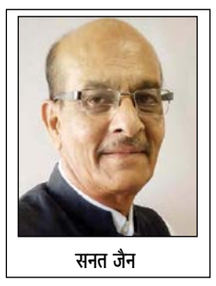

सनत जैन

लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान हो चुका है। 102 सीटों पर हुए मतदान के बाद जो स्थिति सामने आई है। उसके बाद एक बार फिर लोकसभा चुनाव को धार्मिक ध्रुवीकरण की ओर ले जाने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस ने चुनावी घोषणा पत्र जारी किया था, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले मुस्लिम लीग के साथ जोड़ दिया। कांग्रेस के घोषणा पत्र में मुसलमानों का कोई उल्लेख ही नहीं था। कांग्रेस के घोषणा पत्र को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के जालौर में जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, कांग्रेस यदि सत्ता में वापस आएगी, तो वह लोगों की संपत्ति को ज्यादा बच्चे वाले लोगों के बीच मुसलमानों में बांट देगी। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में कहा है कि वह माता और बहनों के सोने का सर्वे करेगी। प्रधानमंत्री ने अपने उद्बोधन में यह भी सवाल किया, आपकी मेहनत की कमाई को क्या घुसपैठियों और नक्सली मानसिकता वाले लोगों के बीच में बांटना चाहिए। कांग्रेस महिलाओं के मंगलसूत्र को भी नहीं छोड़ेंगे। ऐसा कहकर उन्होंने महिलाओं के साथ-साथ हिंदुओं के बीच में धार्मिक ध्रुवीकरण पैदा करने की कोशिश की है। अयोध्या में भगवान राम का मंदिर बन चुका है मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा भी हो चुकी है। भाजपा को लगता था, मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद हिंदुओं का सैलाब भाजपा के साथ जुडेगा। उत्तर से दक्षिण तक पश्चिम से पूर्व तक हिंदुत्व की लहर चलना शुरू हो जाएगी। चारों शंकराचार्य के अयोध्या नहीं पहुंचने तथा मंदिर के शिखर का काम पूरा नहीं होने के बाद भी मंदिर में की गई प्राण प्रतिष्ठा शंकराचार्य ने को अपशगुन बताया था। उसके बाद से ही हिंदुत्व की हवा और मंदिर का जो लाभ भाजपा को मिलना चाहिए था, वह नहीं मिल पा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के जिस बयान को आधार बनाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुसलमानों से जोड़कर जो कहा है, ऐसा मनमोहन सिंह ने कभी नहीं कहा था। इसे कई बार मीडिया दिखा भी चुका है। योजना आयोग की बैठक में उन्होंने यह कहा था कि अल्पसंख्यक वर्गों की भी इसमें हिस्सेदारी होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया था। एससी, एसटी तथा अल्पसंख्यक समुदाय को भी आर्थिक लाभ मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस की घोषणा पत्र की गलत व्याख्या की है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के बयान को तोड़मोड़ करके प्रस्तुत कर धार्मिक ध्रुवीकरण पैदा करने की कोशिश की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा इस बात को भूल रहे हैं कि 2024 का चुनाव 2014 और 2019 के चुनाव से अलग है। उस समय लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा कर रहे थे। 2014 के चुनाव में उन्होंने 60 महीने का समय मांगा था। अच्छे दिनों का वायदा किया था। महंगाई कम करने का वादा किया था। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दाम घटाने की बात कही थी। 2 करोड लोगों को नौकरी देने की बात कही थी। काला धन देश में वापस लाकर 15 लाख रुपए गरीबों के खाते में भेजने की बात कही थी। तब कांग्रेस के प्रति लोगों में अविश्वास था। नरेंद्र मोदी के ऊपर जनता विश्वास कर रही थी। 2019 के चुनाव में प्रधानमंत्री ने एक बार का कार्यकाल और मांगा। नोटबंदी के बाद काला धन वापस लाने का भरोसा दिलाया। लोगों को काले धन से उन्हें आर्थिक मदद करने का भरोसा दिलाया। राम मंदिर बनाने का भरोसा पैदा किया। धारा 370 जैसे मामले में धार्मिक ध्रुवीकरण पैदा करके 2014 और 2019 का लोकसभा चुनाव भाजपा ने जीत लिया। पिछले 10 वर्षों में जो वायदे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए थे। उनमें से कोई भी वायदा पूरा नहीं हुआ। युवाओं को नौकरी नहीं मिली, केंद्र एवं राज्य सरकारों ने अपने रिक्त पदों को नहीं भरा। सरकार ने ऐसी कोई नीतियां नहीं बनाई, जिससे युवाओं को रोजगार मिले। 2022 तक सबको पक्के मकान देने का वादा किया गया था, जो अभी तक पूरा नहीं हुआ। कुछ ही लोगों को पक्के मकान मिले हैं। उन्हें भी रिश्वत देनी पड़ी है रही सही कसर हाल ही में चुनावी बांड का जो डाटा सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बाहर आया है उसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईमानदार और भारतीय जनता पार्टी की भ्रष्टाचार मुक्त छवि को आम जनता के सामने उजागर कर दिया है। पिछले 10 वर्षों में देश में भ्रष्टाचार बढ़ा है, महंगाई बढी है। लोगों पर टैक्स और शुल्क बढ़ाए गए हैं। जिसके कारण गरीब हो या मध्यम वर्गीय परिवार सभी का जीना मुश्किल हो गया है। मध्यम वर्ग और निम्न मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति कम हुई है। उसके ऊपर कर्ज बढ़ गया है। जिसके कारण भाजपा के चुनाव प्रचार, गोदी मीडिया के प्रचार का असर आम जनता पर नहीं पड़ रहा है। पहली बार नरेंद्र मोदी, भाजपा और गोदी मीडिया को विश्वसनीयता के संकट के दौर से गुजरना पड़ रहा है। इंडिया गठबंधन सीधे मुकाबले में आकर खड़ी हो गई है। किसानों के आंदोलन और युवा बेरोजगारों के आंदोलन को जिस तरीके से डबल इंजन की सरकारों ने लाठी डंडे और अश्रु गैस से दबाया है। उसका असर इस चुनाव में देखने को मिल रहा है। इंडिया गठबंधन और कांग्रेस इस समय पूरी आक्रामकता के साथ गोदी मीडिया और सोशल मीडिया में जवाब दे रही है। गोदी मीडिया से अब भाजपा को फायदा कम नुकसान ज्यादा होने लगा है। इंडिया गठबंधन के प्रवक्ता जिस तरह से महंगाई, बेरोजगारी और झूठ और सच को लेकर गोदी मीडिया के सामने अपना पक्ष रखने लगे हैं। उसके कारण भी भाजपा को वह लाभ गोदी मीडिया से नहीं मिल पा रहा है, जो कुछ माह पहले तक मिल रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के स्टार प्रचारक जो भी प्रचार कर रहे हैं। उसका असर आम जनता में होता हुआ नहीं दिख रहा है। धार्मिक ध्रुवीकरण में हिंदू-मुस्लिम का मुद्दा भी इस चुनाव में नहीं उठ रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव में अब राजनीतिक विश्लेषक यह कहने लगे हैं। जिस तरह का चुनाव 1977 में आपातकाल के बाद हुआ था। लगभग वैसी स्थिति 2024 के चुनाव में देखने को मिल रही है।

संकटमोचन हनुमान के हृदय में बसते है राम!

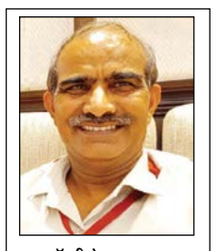

डॉ श्रीगोपाल नारसन

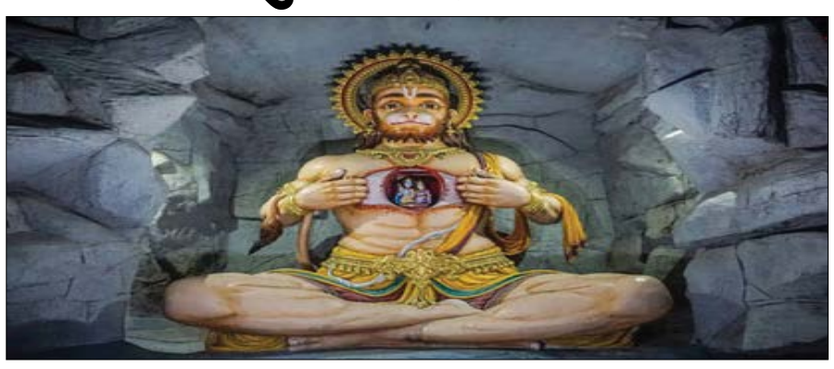

भगवान राम के परमभक्त हनुमान को संकटमोचन कहा जाता है। हनुमान की पूजा करने से हर प्रकार के संकट और बाधाओं से मुक्त हो जाते हैं,ऐसी मान्यता है। अपने भक्तों को हनुमान हर भय, पीड़ा से मुक्त रखते हैं। हनुमान की स्तुति यूं तो हरदिन की जाती है,लेकिन हनुमान जयंती पर इसका विशेष महत्व है। इसी दिन हनुमान का जन्म हुआ था। इस दिन हनुमानजी के नाम का व्रत करके बूंदी, हलवा, लड्डू जैसी मीठी चीजों का भोग लगाने से हनुमान की कृपा हमेशा अपने भक्तों पर बनी रहती है।चैत्र पूर्णिमा के तिथि 23 अप्रैल 2024 को सुबह 3:25 बजे से हनुमान जयंती शुरू होगी, और 24 अप्रैल 2024 को सुबह 5:18 बजे पर समाप्त होगी। इस कारण से हनुमान जयंती 23 अप्रैल को मनाई जा रही है। सुबह 3:25 बजे से लेकर 5:18 बजे के बीच हनुमान जी की पूजा कर सकते हैं। इस दिन चित्रा नक्षत्र भी पड़ रहा है, चित्रा नक्षत्र के स्वामी मंगल है। मंगलवार का दिन भगवान हनुमान को समर्पित होता है। हनुमान जयंती पर एक और संयोग बन रहा है कि इस दिन मंगल मीन राशि में गोचर कर रहे हैं। पौराणिक कहानियों के अनुसार हनुमान जी को अमरत्व का वरदान प्राप्त है। हनुमान बाबा पर आस्था और श्रद्धा रखने वाले भक्त मानते हैं कि हनुमान जी कलियुग में भी जीवित हैं और अपने भक्तों के सभी संकटों और कष्टों को दूर कर रहे हैं। जो लोग आकस्मिक संकट, रोग पीड़ा, मृत्यु भय जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं, उन्हें हनुमान जी की पूजा जरूर करनी चाहिए। भगवान राम के भक्त हनुमान जी की रामभक्ति अनुकरणीय रही है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता के दशवे अध्याय में कहा है कि रूद्रो में शंकर मैं ही हूं। अर्थात मैं ही हनुमान भी हूं जो सभी भक्तों की मनोकामना पूर्ण करते है।

कहते है, हनुमान ने सुरसा की बात मान ली थी और उसका भोजन बनना स्वीकार कर लिया था, सुरसा ने ज्यों ही मुंह खोला, पवन पुत्र ने अपना आकार विशाल कर लिया। यह देख सुरसा ने भी अपना आकार बड़ा कर लिया। जब हनुमान ने देखा कि सुरसा ने अपनी सीमा लांघ कर मुंह का आकार और भी बड़ा कर लिया तो वे तत्काल अपने विशाल रूप को समेटते हुये उसके मुंह के अंदर गये और बाहर वापस आ गये। हनुमान के बुद्वि कौशल से प्रसन्न होकर सुरसा ने उन्हें आर्शीवाद देते हुये कहा पुत्र, तुम अपने कार्य में सफल हो। हनुमान ने अपने शरीर को पहले विशालकाय और फिर एक छोटे रूप से महिमा तथा लधिमा सिद्वि के बल पर किया था। हनुमान रूद्र के ग्यारहवें अवतार माने जाते है। संकटमोचक हनुमान अष्ट सिद्वि और नव निधि के दाता भी है। हनुमान अणिमा, लधिमा, गरिमा, प्राप्ति, प्रकाम्य, महिमा, इशित्व और वशित्व इन सभी आठ प्रकार की सिद्वियों के स्वामी है।आध्यात्मिक चिंतक डॉ मुरलीधर की माने तो, राम जब लक्ष्मण के साथ सीता जी को वन-वन खोज रहे थे तब वहां ब्राह्मण वेश में हनुमानजी अपनी सरलता, वाणी और ज्ञान से रामजी को प्रभावित कर लेते है। वह वंशीकरण वशित्व सिद्वि है। माता सीता को खोजने के क्रम में जब पवन पुत्र सागर को पार करने के लिए विराट रूप धारण करते है तो उनका यह कार्य महिमा सिद्वि का रूप धारण कर लेता है। इसी प्रकार जब हनुमान सागर पार कर लंका में प्रवेश करने के लिए आगे बढ़े तो अति सूक्ष्म रूप धर कर अणिमा सिद्वि को साकार किया। माता सीता को खोजते खोजते जब बजरंग बली अशोक वाटिका में पहुंचे तो उनके लघु रूप बनने में लधिमा सिद्वि काम आयी। इसी प्रकार पवन सुत की गरिमा सिद्वि के दर्शन करने के लिए महाभारत काल में जाना होगा, जब हनुमान महाबली भीम के बल के अंधकार को तोड़ने के लिए बूढ़े बानर का रूप धारण उनके मार्ग में लेट गये थे और भीम उनकी पूंछ को हिला भी नही पायें। इसी प्रकार बाल हनुमान के मन में उगते हुये सूर्य को पाने की अभिलाषा जागी तो उन्होंने उसे पकड़ कर मुंह में रख लिया तो अभिलाषा सिद्वि के दर्शन हुये। प्राकाम्य सिद्वि को समझने के लिए पवन पुत्र की राम के प्रति भक्ति को समझना होगा। रामभक्त हनुमान ने राम की भक्ति के अलावा और कुछ नही चाहा और वह उन्हें मिल गयी। इसलिए कहा जाता है कि हनुमान की कृपा पाए बिना राम की कृपा नही मिलती। पवन पुत्र की राम के प्रति अनन्य भक्ति का ही परिणाम था कि उन्हें प्रभुत्व और अधिकार की प्राप्ति स्वतः ही हो गयी इसे ही इंशित्व सिद्वि कहते है। इसी प्रकार नव रत्नों को ही नौ निधि कहा जाता है। ये है-पद्य महापद्य, शंख, मकर, कच्छप, मुकुंद, कुंद, नील और खर्ब। सांसारिक जगत के लिए ये निधियां भले ही बहुत महत्व रखती हों, लेकिन भक्त हनुमान के लिए तो केवल राम नाम की मणि ही सबसे ज्यादा मूल्यवान है। रावध वध के पश्चात एक दिन श्रीराम सीताजी के साथ दरबार में बैठे थे। उन्होंने सभी को कुछ न कुछ उपहार दिय। श्रीराम ने हनुमान को भी उपहारस्वरूप मूल्यवान मोतियों की माला भेंट की। पवन पुत्र उस माला से मोती निकाल निकालकर दांतों से तोड़ तोड़कर देखने लगे। हनुमान के इस कार्य को देखकर भगवान राम ने हनुमान से पूछा, हे पवन पुत्र आप इन मोतियों में क्या ढूंढ रहे हो? पवन पुत्र ने कहा, प्रभु में आपको और माता को इन मोतियों में ढूंढ रहा हूं। लेकिन इसमें आप कही नही दिखाई दे रहे है और जिस वस्तु में आप नही, वह मेरे लिए व्यर्थ है। यह देख एक दरबारी ने उसने कहा पवन पुत्र क्या आपको लगता है कि आपके शरीर में भी भगवान है? अगर ऐसा है तो हमें दिखाइए। नही तो आपका यह शरीर भी व्यर्थ है। यह सुनकर हनुमान ने भरी सभा में अपना सीना चीरकर दिखा दिया। पूरी सभा यह देखकर हैरान थी कि भगवान राम माता जानकी के साथ हनुमान के हृदय में विराजमान है।तभी तो हनुमानजी को राम का परमभक्त होने का सम्मान मिला और वे चिरंजीवी कहलाये।

आईपीएल 2024 में सीएसके और सुपर जाइंट्स में होगी कड़ी टक्कर

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) आईपीएल 2024 में मंगलवार को अपने घरेलू मैदान पर लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इससे पहले हुए मुकाबले में सीएसके को हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच में जीत के साथ ही पिछली हार का हिसाब बराबर करना रहेगा। सीएके इस मैच को जीतकर अंकतालिका में भी ऊपर आना चाहेगी। पिछली बार दोनों टीमों का मुकाबला लखनऊ में हुआ था जिसमें सुपर जाइंट्स जीती थी। अभी दोनो ही टीमों के सात मैचों के बाद आठ अंक हैं।

सुपर जाइंट्स के लिए इस मैच में सीएसके को हराना आसान नहीं रहेगा क्योंकि उसके पास एक से बड़कर एक खिलाड़ी हैं और पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी भी जबरदस्त लय में हैं। दोनो ही टीमे इस मैच को जीतकर प्लेआफ के लिए अपनी दावेदार बनाने पर रहेंगी। सीएसके की कमजोरी उसके मध्यक्रम के बल्लेबाजों का लय में नहीं होना है। अभी तक टीम की ओर से कप्तान रूतुराज गायकवाड़ और शिवम दुबे के प्रदर्शन में ही निरंतरता दिखी है। लखनऊ के खिलाफ पिछले मैच में इन दोनो के विफल रहने के बाद मध्यक्रम दबाव में टूट गया था जिससे मैच में उसके हाथ से जीत निकल गयी। उसके सलामी बल्लेबाज रचिन रविंद्र भी अब तक अधिक रन नहीं बना पाये हैं।

सीएसके ने लखनऊ के खिलाफ पिछले मैच में अजिंक्य रहाणे को पारी की शुरुआत करने भेजा था। वहीं रूतुराज तीसरे नंबर पर आये थे। अब इस मैच में देखना होगा कि वह किस नंबर पर उतरते हैं। ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और धोनी के अच्छे फार्म में होने का भी टीम को लाभ मिलेगा। सीएसके इस मैच में शीर्ष क्रम से बड़े स्कोर की उम्मीद कर रही है।

गेंदबाजी की बात करें तो सीएसके के पास मथीषा पथिराना जैसा गेंदबाज है। पथिराना ने अबतक काफी अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि तेज गेंदबाज दीपक चाहर, तुषार देशपांडे और मुस्ताफिजूर रहमान से टीम को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। इसके अलावा जडेजा भी

एक अच्छे स्पिनर हैं। दूसरी ओर सुपर जाइंट्स की बल्लेबाजी की जिम्मेदार कप्तान केएल राहुल और क्वींटन डिकॉक पर रहेगी। निकोलस पूरन ने भी अब तक अच्छा खेला है। टीम के तेज गेंदबाज मयंक यादव अगर फिट हुए तो इस मैच से वापसी कर सकते हैं। वह चोटिल होने के कारण पिछले कुछ मैचों से बाहर हैं।

वहीं तेज गेंदबाज मोहसिन खान और यश ठाकुर को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। नये खिलाड़ी मैट हेनरी भी इस मैच में बेहतर कर टीम में जगह बनाना चाहेंगे। स्पिन गेंदबाजी की कमान रवि बिश्नोई और कृणाल पंड्या संभालेंगे। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। सीएसके के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अंतिम ओवरों में बेहद आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं और उन्हें रोकना सुपर जाइंट्स के गेंदबाजाजों के लिए बेहद कठिन होगा। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। वहीं अगर सुपर जाइंट्स के मयंक वापसी करते हैं तो उनकी रफ्तार का सामना सीएसके के बल्लेबाज किस प्रकार करेंगे ये देखना होगा।

टीम

लखनऊ सुपर जाइंट्स- केएल राहुल (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, निकोलस पूरन, आयुष बदोनी, काइल मेयर्स, मार्कस स्टोइनिस, दीपक हुडा, देवदत्त पडिक्कल, रवि बिश्नोई, नवीन उल हक, क्रुणाल पंड्या, युद्धवीर सिंह, प्रेरक मांकड़, यश ठाकुर, अमित मिश्रा, शमर जोसेफ, मयंक यादव, मोहसिन खान, के गौतम, शिवम मावी, अर्शिन कुलकर्णी, एम सिद्धार्थ, एश्टन टर्नर, मैट हेनरी, मोहम्मद अरशद खान।

चेन्नई सुपरकिंग्स- रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), महेंद्र सिंह धोनी, अरावेली अवनीश, डेवोन कॉनवे, अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हंगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिशेल, रचिन रवींद्र, मिचेल सेंटनर, निशांत सिंधू, दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मुस्तफिजुर रहमान, मथीसा पथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शारदुल ठाकुर, महेश तीक्षणा और समीर रिज्वी।

17 साल के भारत के गुकेश बने फीडे कैंडीडेट्स शतरंज विजेता , बनाया विश्व रिकॉर्ड

टोरंटो,कनाडा (एजेंसी)। फीडे कैंडिडेट शतरंज के अंतिम राउंड में भारत के 17 वर्षीय ग्रांड मास्टर डी गुकेश नें आखिरकार इतिहास में सबसे कम उम्र में यह खिताब जीतकर नया विश्व रिकॉर्ड बना दिया है। गुकेश अब दुनिया के सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर बन गए है। गुकेश नें अंतिम राउंड में आधा अंक की बढ़त के साथ शुरुआत की और उनके सामने थे विश्व के नंबर 3 खिलाड़ी यूएसए के हिकारु नाकामुरा , काले मोहरो से खेल रहे गुकेश को कम से कम टाईब्रेक में बने रहने के लिए मैच को ड्रॉ पर रोकने की जरूरत थी , क्यूजीए ओपनिंग में गुकेश नें नाकामुरा को खेल में कभी भी बढ़त नहीं बनाने दी और शानदार एंडगेम दिखाते हुए 71 चालों तक चली बाजी को ड्रॉ करा लिया।

अब गेंद यूएसए क फबियानों करूआना के पाले में थी जो रूस के यान नेपोमनिशी के खिलाफ बेहतर स्थिति में थे और जीतकर गुकेश को टाईब्रेक में चुनौती दे सकते थे पर वह ऐसा करने में असफल रहे और उनका मैच 109 चालों तक चलने के बाद बेनतीजा रहा और इस तरह गुकेश 9 अंको के साथ कैंडिडेट विजेता बन गए जबकि 8.5 अंको पर टाईब्रेक के आधार पर नाकामुरा दूसरे ,नेपोमनिशी तीसरे और करूआना चौथे स्थान अपर रहे , अंतिम राउंड जीतकर 7 अंको के साथ भारत के प्रज्ञानन्दा पांचवे , 6 अंको के साथ विदित छठे , 5 अंको के साथ अलीरेजा सातवे और 3.5 अंको के साथ अबासोव आखिरी स्थान पर रहे।अब गुकेश इस साल के अंत में या अगले वर्ष के शुरुआत में मौजूदा विश्व चैम्पियन चीन के डिंग लीरेन को विश्व खिताब के लिए चुनौती देंगे , और अगर गुकेश विश्व चैम्पियन बने तो वह 22 साल में विश्व चैम्पियन बनने के रूस के गैरी कास्पारोव का रिकॉर्ड तोड़ देंगे।

उथप्पा बोले मानसिक रुप से निराश हैं पांड्या

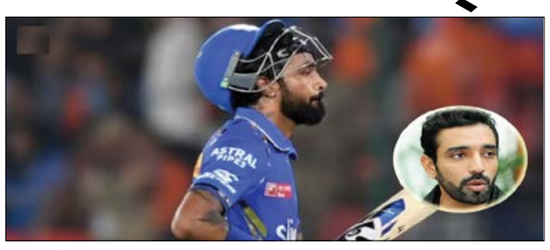

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने कहा है कि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या मानसिक रुप से परेशान होने के कारण आईपीएल सत्र में अबतक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। पांड्या को इस सत्र में मुम्बई इंडियंस की कप्तानी दी गयी थी पर वह गेंद और बल्ले के अलावा कप्तानी कौशल में भी सफल नहीं हुए हैं। उथप्पा के अनुसार रोहित शर्मा की जगह टीम की कप्तानी संभालने के बाद से ही पांड्या प्रशंसकों की हूटिंग का शिकार हुए हैं जिससे उनका मानसिक स्वास्थ्य खराब हुआ है। उन्हें प्रशंसकों की ओर से लगातार नकारात्मकता मिल रही है। पहले 7 मैचों में मुंबई ने नए कप्तान हार्दिक के नेतृत्व में केवल तीन जीत हासिल की हैं।

हार्दिक का बचाव करते हुए उथप्पा ने कहा कि प्रशंसकों का उनके प्रति व्यवहार सही नहीं है। उथप्पा ने कहा, वह एक ऐसा व्यक्ति है जिसमें भारतीय टीम के लिए सर्वकालिक महान बनने की क्षमता है। जिस टीम ने उसे खोजा था, उसने उसे जाने दिया, वह दूसरी फ्रेंचाइजी में चला गया। उनके साथ 3-4 खिताब जीतने के बाद वह चला गया। उसे थोड़ा बुरा लगा होगा, वह गुजरात टाइटंस में गया, एक खिताब जीता और दूसरे में उपविजेता रहा।

टी20 वर्ल्ड कप 2024: सौरव गांगुली का विराट-रोहित को लेकर बयान, कही ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल का 17वां सीजन जारी है। जबकि इसका आखिरी मुकाबला 26 मई को खेला जाना है। जिसके बाद टी20 वर्ल्ड कप का आगाज होगा। वहीं कुछदिन में ही टी20 वर्ल्ड कप को लेकर भारत के स्क्वॉड का ऐलान होगा। दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस मैच के लिए रोहित दिल्ली में होंगे, तब चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर भी यहां होंगे और स्क्वॉड ऐलान से पहले सभी मीटिंग में शामिल होंगे। भारती के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने वर्ल्ड कप को लेकर विराट कोहली और रोहित शर्मा के बारे में बड़ी बात कही।

रोहित शर्मा टी20 वर्ल्ड कप में भारत के कप्तान होंगे, इसकी पुष्टि जय शाह पहले ही कर चुके हैं। विराट कोहली का भी स्क्वॉड में होना कन्फर्म है। आईपीएल खेल रहे विराट कोहली आरसीबी के लिए पारी की शुरुआत कर रहे हैं और अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। सौरव गांगुली की माने तो विराट और रोहित शर्मा को आगामी टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए पारी की

शुरुआत करनी चाहिए। पीटीआई से बातचीत में भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि, विराट कोहली और रोहित शर्मा को भारत के लिए इस साल होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में पारी की शुरुआत करना चाहिए। विराट कोहली 40 बॉल पर 100 रन भी बना सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय टी20 क्रिकेट में विराट कोहली सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर हैं। दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। विराट कोहली ने 117 मैचों में 4039 रन बनाए हैं। उनका इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा स्कोर नाबाद 122 का है। रोहित शर्मा ने 151 मैचों में 3974 रन बनाए हैं। रोहित का इस फॉर्मेट में नाबाद 121 सर्वाधिक स्कोर है।

विराट पर 50 फीसदी जुर्माना लगा

कोलकाता । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को अंपायर से बहस करना भारी पड़ा है। विराट के ऊपर अचार संहिता उल्लंघन को लेकर 50 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इसका कारण है कि विराट ने कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ हुए मैच में अंपायर के फैसले पर सवाल उठाये थे। विराट को इस मैच में तीसरे ओवर में ही हर्षित राणा की एक फुल टॉस गेंद पर आउट करार दिया गया जबकि विराट का मानना था कि कमर से अधिक ऊंची होने के कारण वह नो बॉल थी। इससे वह अंपायर पर भड़क गये। इस दौरान डीआरएस भी लिया गया। थर्ड अंपायर माइकल गॉफ ने रिप्ले देखने के बाद फैसला दिया कि वह आउट हैं। इसका कारण था कि कि विराट पहले ही क्रीज से बाहर खड़े थे तो ऐसे में गेंद उनके कमर के नीचे हिस्से पर लगती। बॉल-ट्रैकिंग में भी गेंद नीचे जाती दिख रही थी। जैसे ही तीसरे अंपायर का फैसला आया, कोहली निराश हो गए। वह पवेलियन की ओर लौटते हुए गुस्से में दिख रहे थे। इसी बीच वह मैदानी अंपायर के पास गए और फैसले पर नाराजगी जतायी। कोहली के इस व्यवहार को बीसीसीआई ने आचार संहिता उल्लंघन माना है। इसी कारण उनपर जुर्माना लगा गया।

पेरिस ओलंपिक के उद्घाटन समारोह में नावों पर परेड करेंगे प्रतिनिधि

पेरिस । आमागी पेरिस ओलंपिक के लिए सीन नदी पर भव्य उद्घाटन समारोह होगा। चार घंटे तक चलने वाले इस समारोह में सूर्यास्त और चंद्रमा की झलक लिखेगी। इस दौरान कुल 205 देशों और क्षेत्रों के प्रतिनिधि सीन नदी पर नावों पर परेड करेंगे। यह समारोह धीरे-धीरे पूर्व से पश्चिम की ओर, पुल से पुल तक, पोंट डी ऑस्टरलिट्ज़ से पोंट डी आइना तक छह किलोमीटर की दूरी तय करेगा।

नरेन को आईपीएल का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मानते हैं गंभीर

कोलकाता । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कोच गौतम गंभीर ने सुनील नरेन की जमकर प्रशंसा की है। गंभीर ने कहा कि नरेन को वह आईपीएल का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज मानते हैं। गंभीर के अनुसार साल 2011 में नरेन को भारत के खिलाफ एकदिवसीय मुकाबले में खेलने देखकर उन्हें पता चल गया था कि ये खिलाड़ी टी20 क्रिकेट में महान बनेगा। गंभीर ने कहा कि साल 2011 में नारायण को पदार्पण श्रृंखला में खेलते हुए देखने के बाद ही उन्होंने इस खिलाड़ी को आईपीएल के लिए शामिल करने का फैसला किया था. गंभीर ने कहा, 'मैंने तब नरेन की सात या आठ गेंदों का ही सामना किया था और तभी मुझे लगा कि यह का महान क्रिकेटर बनेगा। नरेन ने अपने आईपीएल करियर में 170 विकेट लिए हैं और लीग में 168 मैच में एक शतक सहित 1322 रन भी बनाए हैं. नरेन ने दिसंबर 2011 में अहमदाबाद में तीसरे एकदिवसीय में भारत के खिलाफ वनडे पदार्पण किया था जिसमें उन्होंने विराट कोहली और आर अश्विन को आउट कर 34 रन देकर दो विकेट लिए थे। गंभीर ने चौथे एकदिवसीय में पहली बार नरेन की गेंदों का सामना किया था। नरेन हालांकि छह ओवर में 46 रन देकर कोई विकेट नहीं ले पाये थे। वहीं साल 2012 में नरेन केकेआर के रहस्यमयी गेंदबाज के तौर पर सामने आए और 24 विकेट लेकर मोर्नी मोर्कल के 25 विकेट के बाद दूसरे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बने थे। इससे केकेआर की टीम 2012 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीतने में सफल रही। केकेआर ने दूसरी बार जब 2014 में खिताब जीता तब भी नरेन ने 21 विकेट लिए थे। इसके साथ ही वह बल्लेबाजी से भी टीम का सहयोग करते रहे हैं।

चैपमैन के तेज अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने तीसरे टी20 में पाक को हराया

रावलपिंडी (एजेंसी)। मार्क चैपमैन के तेज अर्धशतक से न्यूजीलैंड ने यहां खेले गये तीसरे टी20 मैच में पाकिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले खेलते हुए पाकिस्तान ने सैम आयुब के 32, कप्तान बाबर आजम के 37, रिजवान के 22, इरफान खान के 30 और शादाब खान के 41 रनों से कुल 178 रन बनाए थे। इसके बाद कीवी टीम ने ये लक्ष्य तीन विकेट खोकर ही हासिल कर लिया। उसे टिम रोबिन्सन और टिम सेफर्ट ने अच्छी शुरूआत दी। इसके बाद मार्क चैपमैन ने 42 गेंदों पर ही 87 रन बनाकर 19वें ओवर में ही टीम को जीत दिला दी। इसी के साथ पांच मैचों की सीरीज में दोनों ही टीमें 1-1 से बराबरी पर आ गई है। सीरीज का पहला मैच

बारिश के कारण नहीं हो पाया थ जबकि दूसरा पाक ने जीता था।

जीत के बाद न्यूजीलैंड के चैपमैन ने खुशी जताते हुए कहा कि सीरीज बराबर आने से उन्हें खुशी हुई है। पाकिस्तान के पास अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है इससे लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं था। हमारे लिए 100 से अधिक रनों की साझेदारी करना लाभप्रद रहा। हम जानते हैं कि पाकिस्तान की डेथ ओवरों में गेंदबाज शानदार है इसके बाद भी हमारे बल्लेबाज सफल हुए।

दूसरे ओर हार से निराश पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि बदकिस्मती से हम 10 रन कम रह गए। मुझे लगता है कि शादाब ने अच्छी रिकवरी की और अच्छी साझेदारी बनाई। मुझे लगता है कि 180-190 स्कोर होना चाहिये था। हमने हालातों के अनुसार खेलने का प्रयास किया था। शादाब ने योजना के अनुसार अपना स्वाभाविक खेल खेला। साथ ही कहा कि हमारा क्षेत्ररक्षण खराब रहा जिससे भी हमारे हाथ से मुकाबला निकल गया।

बर्लिन में आखिरी बार लीवर कप में खेलेंगे रफेल नडाल

महान टेनिस खिलाड़ी रफेल नडाल ने सोमवार को कहा कि वह सितंबर में बर्लिन में लीवर कप में खेलेंगे जो 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन के आखिरी टूर्नामेंटों में से एक हो सकता है। नडाल ने संकेत दिया है कि 2024 एटीपी टूर पर उनका आखिरी साल हो सकता है। उन्होंने पिछले हफ्ते बार्सीलोना ओपन में एलेक्स डि मिनोर के खिलाफ दूसरे दौर में हार के बाद कहा था कि यह शायद यहां उनका आखिरी मैच था। नडाल ने बार्सीलोना में 12 बार खिताब जता। नडाल ने बयान में कहा, ''अपने करियर के इस चरण में मैं वास्तव में वहां जाना चाहता हूं और मुझे दिए गए हर अवसर का अधिकतम लाभ उठाना चाहता हूं।'' स्पेन का यह 37 वर्षीय सुपरस्टार लंबे समय से चोटों से जूझ रहा है और उन्होंने इस साल सिर्फ पांच प्रतिस्पर्धी मैच खेले हैं, तीन जनवरी में ब्रिसबेन में और दो पिछले हफ्ते बार्सीलोना में। इस साल 20-22 सितंबर तक आयोजित होने वाला लीवर कप एक इनडोर हार्डकोर्ट पुरुष प्रतियोगिता है जो गोल्फ के राइडर कप के समान प्रारूप में विश्व टीम और यरोप टीम के बीच खेली जाती है। रोजर फेडरर के संन्यास से पहले नडाल और स्विट्जरलैंड के इस महान खिलाड़ी ने अपने आखिरी मैच के लिए लंदन में 2022 में लीवर लेवर कप में युगल जोड़ी बनाई थी। नडाल ने कहा, ''मैं टीम यूरोप के लिए बर्लिन में लीवर कप खेलने को लेकर बहुत खुश हूं।'' उन्होंने कहा, ''मेरे पास लीवर कप के अनुभवों की कुछ विशेष यादें हैं जिनमें दो साल पहले आखिरी बार रोजर के साथ लंदन में खेलना भी शामिल है।

भारत के साथ द्विपक्षीय श्रृंखला पर पीसीबी प्रमुख ने कहा, अभी हमारा लक्ष्य चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि अगर भारत अगले साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजेगा तो पीसीबी उसके साथ द्विपक्षीय श्रृंखला खेलने के तैयार है। लाहौर में एक कार्यक्रम में पत्रकारों से बात करते हुए नकवी से भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के हालिया साक्षात्कार के बारे में पूछा गया जिसमें उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट टीम की प्रशंसा की और कहा कि दोनों पड़ोसी देशों का विदेश में टेस्ट श्रृंखला खेलना 'शानदार' होगा। नकवी ने कहा, ''देखिए, अगर इस संबंध में कोई विकल्प आता है तो हम उस पर विचार करेंगे लेकिन अभी हमारा लक्ष्य चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करना है और पहले भारत को टूर्नामेंट के लिए आने देना है।'' उन्होंने कहा, ''फिलहाल चैंपियन्स ट्रॉफी तक कोई समय उपलब्ध नहीं है क्योंकि हमारी टीम का यात्रा कार्यक्रम तय हो चुका है। एक बार वे पहले यहां आ जाएं तो जब भी कोई प्रस्ताव हमारे सामने आएगा, हम उस पर विचार कर सकते हैं।'' दोनों टीमों ने पिछली बार 2012-13 में सीमित ओवरों की द्विपक्षीय श्रृंखला खेली थी जब पाकिस्तान ने भारत का दौरा किया था लेकिन भारत ने 2007 के बाद से पाकिस्तान के खिलाफ कोई भी टेस्ट खेलने से इनकार कर दिया है जब दोनों टीम भारतीय सरजमीं पर आपस में भिड़ी थीं। पिछले साल भारत ने पाकिस्तान में एशिया कप मैचों के लिए अपनी टीम भेजने से इनकार कर दिया था और अंततः एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) को इस प्रतियोगिता के लिए एक हाइब्रिड मॉडल अपनाना पड़ा था जिसके तहत अधिकांश मैचों का आयोजन श्रीलंका में होना था। नकवी ने फरवरी में दुबई में आईसीसी बैठक के दौरान भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह से मुलाकात की थी।

एमएलएस लीग में मियामी ने नाशविले को हराया, मेसी ने किये दो गोल

न्यूजर्सी । स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी के दो गोलों और सर्गियो बुस्कुवेट्स के एक गोल की सहायता से इंटर मियामी ने अमेरिका में जारी मेजर लीग फुटबाल (एमएलएस) में नाशविले एससी को 3-1 से हरा दिया। इससे पहले मेसी ने ओरलेंडो के खिलाफ मैच के दौरान भी दो गोल किये थे। अब मेसी के इस लीग में कुल मिलाकर सात गोल हो गये हैं। इस मैच में मियामी के डिफेंडर फैंको नेरी के दूसरे मिनट में ही गलती से एक गेंद अपने ही गोल पोस्ट में मार दी। इस आत्मघाती गोल से नाशविले की टीम को शुरुआत में ही बढ़त मिल गयी पर मेसी ने लुईस सुआरेज के पास पर एक गोली कर अपनी टीम को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद 39वें मिनट में बुस्कुवेट्स ने एक गोल दागते हुए अपनी टीम को 2-1 से बढ़त दिला दी। मेसी ने इसके बाद 81वें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर अपनी टीम को 3-0 से आगे कर दिया।

अभिषेक ने अपनी आंक्रामक बल्लेबाजी का राज बताया

मुम्बई (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इस सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। अभिषेक ने पारी की शुरुआत करते हुए कई आक्रामक पारियां खेली हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इस बल्लेबाज ने 12 गेंद में ही 46 रन बना दिये थे।अब अभिषेक ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के पीछे छिपा राज बताया है। अभिषेक ने कहा कि आईपीएल में प्रतिद्वंद्वी टीम के मुख्य गेंदबाजों को ध्यान में रखकर तैयारी करने से उन्हें लाभ हुआ है। अभिषेक ने ट्रेविस हेड के साथ केवल 38 गेंद में 131 रन की साझेदारी की थी। उन्होंने पावरप्ले में 125 रन बनाने का रिकॉर्ड भी इसी सत्र में अपने नाम किया है। उन्होंने इस सत्र में कुलदीप यादव को भी नहीं छोड़ा। उन्होंने चार छक्के कुलदीप की गेंद पर लगाये हैं। इसी को लेकर अभिषेक ने कहा कि कुलदीप की गेंदबाजी का वीडियो देखने का उन्हें लाभ हुआ। अभिषेक ने कहा, '' मैं स्पिनरों और विरोधी टीम के मुख्य गेंदबाजों के अनुसार तैयारी करता हूं। इस साल भी मैंने कुलदीप के खिलाफ खेलने की तैयारी की थी क्योंकि वे उनके मुख्य गेंदबाज है। मैं उनका वीडियो देखता हूं। मैं अभ्यास सत्र में विरोधी टीम के गेंदबाजों की तरह गेंद डालने वाले किसी गेंदबाज के खिलाफ अभ्यास भी करता हूं। इससे भी मुझे लाभ मिलता है।''

अपनी पारी में छह छक्के लगाने वाले इस बल्लेबाज ने कहा कि उनकी मौजूदा लय कड़ी मेहनत से आई है। उन्होंने कहा, ''आईपीएल से पहले मैंने कड़ी मेहनत की थी। सैयद मुश्ताक ट्रॉफी (घरेलू टी20 टूर्नामेंट) में भी मैंने काफी मेहनत की थी इससे मुझे काफी लाभ हो रहा है।'' अभिषेक ने कहा कि वह काफी समय से हेड के प्रशंसक रहे है और उनके साथ बल्लेबाजी करने का अनुभव शानदार रहता है। साथ ही कहा कि वह ऐसे खिलाड़ी है जिसका मैं अनुसरण करना चाहता हूं। मैं तीनों प्रारूप में हेड की बल्लेबाजी का प्रशंस हूं। उनके हमारी टीम में होने से भी मुझे लाभ मिला है। साथ ही कहा कि जब भी मुझे गेंदबाजी का मौका मिलेगा मुझे उसके लिए तैयार रहना चाहिये।''

आईपीएल 2024 : केकेआर दूसरे और गुजरात छठे स्थान पर पहुंची

मुम्बई । कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आईपीएल सत्र में जीत के साथ ही अंक तालिका में अब दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं पंजाब किंग्स के खिलाफ जीत के साथ ही गुजरात टाइटंस भी 8वें से छठे स्थान पर पहुंच गयी है। नंबर एक स्थान पर अभी भी 12 अंकों के साथ ही राजस्थान रॉयल्स बकरार है। केकेआर 7 मैचों में 5 जीत के बाद 10 अंकों लेकर दूसरे स्थान पर आ गयी है। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद 10 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। इसके अलावा चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और लखनऊ सुपर जाइंट्स 8-8 अंकों के साथ चौथे और पांचवें स्थान पर फिसल गयी है। गुजरात टाइटंस छह अंकों के साथ ही छठे नंबर पर जबकि मुंबई 6 अंकों के साथ 7वें तथा दिल्ली इतने ही अंकों के साथ 8वें स्थान पर आ गई है। पंजाब किंग्स 4 अंकों के साथ 9वें स्थान पर और आरसीबी 2 अंक लेकर अंतिम स्थान पर खिसक गयी है।

महावीर जयंती पर बाइडन ने दी बधाई

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने महावीर जयंती के अवसर पर जैन धर्म के लोगों को शुभकामनाएं दीं। इस बधाई को देते ही बाइडन ऐसा करने वाले वह पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बन गये हैं। बाइडन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं और जिल जैन धर्म के लोगों को महावीर जयंती की शुभकामनाएं देते हैं। उन्होंने कहा कि आइए आज हम महावीर स्वामी के मूल्यों को अपनाएं और प्यार, खुशी एवं सद्भाव फैलाकर उनका जश्न मनाएं। प्रख्यात जैन समुदाय के नेता और एशियाई अमेरिकी और मूल हवाईयन/प्रशांत द्वीपसमूह (एएएनएचपीआई) आयुक्त पर राष्ट्रपति के सलाहकार अजय भुटोरिया ने बाइडेन के संदेश का गर्मजोशी से स्वागत किया।

टेस्ला ने चीन, जर्मनी में कीमतों में कटौती की

न्यूयार्क। इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता टेस्ला ने चीन और जर्मनी सहित अपने कई प्रमुख विदेशी बाजारों में कीमतों में कटौती की है, क्योंकि यह गिरती बिक्री और तीव्र मूल्य युद्ध से जूझ रहा है। सीईओ एलन मस्क ने पोस्ट किया, उत्पादन को मांग के अनुरूप बनाने के लिए टेस्ला की कीमतों में बार-बार बदलाव होना चाहिए। ईवी दिग्गज ने चीन में मॉडल 3 की शुरुआती कीमत में 2,000 डॉलर से कम की कटौती की, इसकी आधिकारिक वेबसाइट ने दिखाया, जबकि जर्मनी के साथ-साथ यूरोप, मध्य पूर्व और कई अन्य देशों में भी कीमतों में कटौती की गई। मॉडल वाई, मॉडल एक्स और मॉडल एस वाहनों की अमेरिकी कीमतों में 2,000 डॉलर की कटौती की गई। टेस्ला द्वारा इस महीने की शुरुआत में रिपोर्ट किए जाने के बाद कीमतों में कटौती की गई है कि उसकी वैश्विक वाहन डिलीवरी लगभग चार वर्षों में पहली बार पहली तिमाही में गिर गई, जिससे कंपनी को पिछले सप्ताह अपने कार्यबल में 10 प्रतिशत से अधिक की कटौती करनी पड़ी, जिससे करीब 14,000 नौकरियां खत्म हो गईं। जैसा कि पहले रिपोर्ट दी थी कि मस्क ने 20 प्रतिशत कर्मचारियों की संख्या में कटौती पर जोर दिया था, जिससे पता चलता है कि कटौती की वास्तविक संख्या 20,000 से अधिक हो सकती है। टेस्ला मंगलवार को अपनी पहली तिमाही की आय रिपोर्ट करने के लिए तैयार है, और इसके परिचालन लाभ में भारी गिरावट के साथ-साथ चार वर्षों में पहली बार राजस्व में गिरावट की उम्मीद है। इस साल अब तक टेस्ला का स्टॉक 40 प्रतिशत से अधिक नीचे है।

गाजा में सामूहिक कब्र में 180 लोगों के शव मिले

गाजा। गाजा में दक्षिणी गजान शहर खान यूनिस के नासिर मेडिकल कॉम्प्लेक्स में मौजूद सामूहिक कब्र में 180 लोगों के शव मिले हैं। रिपोर्टों के अनुसार सप्ताहांत में फिलिस्तीन के आपातकालीन सेवा कर्मचारियों को अस्पताल परिसर में मौजूद सामूहिक कब्र से बुजुर्ग महिलाओं और बच्चों के शव मिले हैं। उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर, 2023 को हमास द्वारा यहूदी राज्य पर हमला करने के बाद इजरायल ने गाजा पट्टी में जमीनी घुसपैठ शुरू कर दी, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 240 अन्य का अपहरण कर लिया गया। गाजा पट्टी में इजरायली हमलों में अब तक 34 हजार से अधिक लोग मारे गए हैं।

ग्वांगडोंग में आई आंधी-तूफान से 11 लापता

ग्वांगडोंग। यूएई के बाद दक्षिण चीन के ग्वांगडोंग प्रांत के कई हिस्सों में हाल के दिनों में लगातार बारिश के बाद कुल 11 लोग लापता हैं। यह जानकारी प्रांतीय आपातकालीन प्रबंधन विभाग ने दी। हाल ही में हुई भारी बारिश ने शाओगुआन, गुआंगज़ौ, हेयुआन, झाओकिंग, किंगयुआन, मेइझोउ और हुइझोउ सहित कई क्षेत्रों को प्रभावित किया है। विभाग ने कहा कि पूरे प्रांत में कुल 53,741 लोगों को स्थानांतरित किया गया है, जिनमें से 12,256 लोगों को तत्काल पुनर्वास प्रदान किया गया है।

इंडोनेशिया के जावा में 5.0 तीव्रता का भूकंप

बीजिंग। इंडोनेशिया के जावा में सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय समयानुसार 0048 बजे 5.0 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र, 97.8 किमी की गहराई पर, शुरुआत में 7.94 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 109.32 डिग्री पूर्वी देशांतर पर निर्धारित किया गया। इस भूकंप में अबतक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

इजराइल में खुफिया कोर प्रमुख हलीवा ने दिया इस्तीफा

तेलअवीव। इजराइली सेना ने कहा कि उसके खुफिया कोर के प्रमुख ने हमास के सात अक्टूबर के हमले को लेकर इस्तीफा दे दिया है। इजराइल के सैन्य खुफिया प्रमुख अहरोन हलीवा, हमास के हमले संबंधी विफलता को लेकर पद छोड़ने वाले पहले वरिष्ठ इजराइली अधिकारी हैं। अहरोन हलीवा ने अक्टूबर में कहा था कि उस हमले को नहीं रोक पाने की वह जिम्मेदारी लेते हैं, जिसने हमास के सात अक्टूबर के हमले में इजराइल की सुरक्षा में सेंध लगायी थी।

कोकीन का नशा छुडाने में मददगार होगी ये वैक्सीन,बिलकुल अलग तरीके से करेगी वैक्सीन काम

ब्राजीलिया। दुनियाभर में लाखों लोगों की कोकीन के नशे की लत छोड़ने में मददगार होगी ब्राजील के वैज्ञानिकों द्वारा बनाई गई वैक्सीन। वैज्ञानिकों ने इस वैक?सीन को 'कैलिक्सकोका' नाम दिया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि ये वैक?सीन एक प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को ट्रिगर करती है, जो कोकीन और उसके डेरिवेटिव से मिलने वाले 'हाई' यानी तीव्र नशे को रोकता है। यह दवा लोगों को नशे की लत छोड़ने में बिलकुल अलग तरीके से काम करेगी। वैज्ञानिकों का दावा है कि ये वैक्सीन कोकीन के असर को दिमाग तक पहुंचने ही नहीं देती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अकेले अमेरिका में हर साल कोकीन के नशे की लत का इलाज कराने वाले 9,00,000 लोगों में से ज्यादातर को इलाज की जरूरत महसूस होती है। कई बार लंबे इलाज के बाद भी वे फिर से कोकीन लेना शुरू कर देते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि ये वैक्सीन कोकीन लेने से होने वाले 'हाई' को दबाने के लिए डिजाइन किया गया है। ये वक्सीन कोकीन लेने की इच्छा को ही खत्म करने में बेहतरीन उपकरण साबित होगी। येल के क्लिनिकल अध्ययन में पाया गया कि वैक्सीन कोकीन एंटीबॉडी का उत्पादन करती है, जो संभावित रूप से नशे को दिमाग तक पहुंचने से रोककर इसके असर को रोक सकती है। येल स्कूल ऑफ मेडिसिन में मनोचिकित्सा के प्रोफेसर और वीए कनेक्टिकट हेल्थकेयर सिस्टम के मनोचिकित्सा के प्रमुख थॉमस आर। कोस्टेन और उनकी टीम ने 34 कोकीन का सेवन करने वालों को वैक्सीन लगाई। इन लोगों को 3-10 साल से कोकीन की लत थी। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑन ड्रग एब्यूज समर्थित अध्ययन से पता चला कि वैक्सीन लगानो के बाद उनमें खास तरह की एंटीबॉडी बनीं, जो कोकीन से बॉन्ड बनाती हैं और इसे रक्तप्रवाह के जरिये मस्तिष्क तक पहुंचने से रोक सकती है। इस तरह वैक्सीन कोकीन के मनोवैज्ञानिक असर को निष्क्रिय कर सकती है। कोकीन एंटीबॉडी के उत्पादन में वैक्सीन का असर पूरे परीक्षण के दौरान बना रहा। कोस्टेन ने कहा कि वैक्सीन बेहद सुरक्षित है। क्लीनिकल ट्रायल्स के दौरान कोई बड़ा दुष्प्रभाव देखने को नहीं मिला। ये वैक्सीन बहुत ही गंभीर समस्या के लिए पूरी तरह से नया और बेहद व्यावहारिक इलाज साबित हो सकता है। वह कहते हैं कि इससे पहले कोकीन की लत छुड़ाने के लिए कोई वैकल्पिक दवा उपचार उपलब्ध नहीं था। हम अभी तक कोकीन की लत को छुड़ाने को लेकर इसके फायदों के बारे में पूरी तरह से नहीं जानते हैं। फिर भी ये दुनियाभर में लाखों लोगों के लिए उम्मीद की किरण जैसा है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, वैक्सीन ने कोकीन के अणुओं को मस्तिष्क के मेसोलेम्बिक सिस्टम में जाने के लिए बहुत बड़ा बना दिया। बता दें कि कोकीन लेने के बाद मस्तिष्क का यही हिस्सा डोपामाइन का उत्पादन करने के लिए एक्टिव होता है। मूल रूप से कोकीन लेने के बाद भी लोगों को उतना नशा नहीं होगा, जितने की उन्हें उम्मीद रहती है। साल 2023 में इस परियोजना को लैटिन अमेरिकी चिकित्सा के लिए यूरो हेल्थ इनोवेशन अवार्ड्स में शीर्ष पुरस्कार दिया गया, जिसके तहत 5,00,000 यूरो का नकद इनाम भी दिया गया था।

पेरिस में लोग नस्लवादी हिंसा के विरोध ओर बच्चों की सुरक्षा को लेकर एक प्रदर्शन में शामिल हुए।

पाकिस्तान में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की पार्टी ने उपचुनाव में जीत हासिल की

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने नेशनल असेंबली की करीब दो सीट और प्रांतीय असेंबली की 10 सीट पर उपचुनाव में जीत हासिल की है। सोमवार को अनौपचारिक नतीजों से यह जानकारी मिली। पाकिस्तान में कड़ी सुरक्षा के बीच नेशनल असेंबली और प्रांतीय असेंबली की 21 सीट पर उपचुनाव के तहत मतदान हुआ। इस दौरान पंजाब और बलूचिस्तान प्रांत के चुनिंदा जिलों में मोबाइल तथा इंटरनेट सेवा निलंबित रही। पीएमएल-एन, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने उपचुनावों में भाग लिया। मौलाना फजलुर रहमान की जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम फज्ल ने उपचुनावों का बहिष्कार किया। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने अभी अंतिम नतीजों की घोषणा नहीं की है लेकिन मीडिया ने प्रत्येक मतदान केंद्र के नतीजों के आधार पर नतीजे साझा किए हैं। प्रारंभिक नतीजों से पता चलता है कि पीएमएल-एन ने प्रांतीय असेंबली की 16 में से 10 सीटों पर जीत हासिल की है जिसमें पंजाब से नौ और बलूचिस्तान में एक सीट शामिल है। पीपीपी, एसआईसी, इस्तेकाम पाकिस्तान पार्टी, पाकिस्तान मुस्लिम लीग, बलूचिस्तान नेशनल पार्टी ने एक-एक सीट तथा एक सीट निर्दलीय उम्मीदवार ने जीती है। पुलिस के अनुसार, मतदान के दौरान कानून एवं व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए किए गए व्यापक सुरक्षा उपायों के बावजूद हिंसा की छिटपुट घटनाएं दर्ज की गयीं तथा पंजाब प्रांत में मतदान के दौरान झड़पों में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं।

सीएए के कुछ प्रावधान भारत के संविधान का उल्लंघन हो सकते हैं

- अमेरिकी कांग्रेस की रिपोर्ट में किया गया दावा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी कांग्रेस की रिपोर्ट में कहा गया है कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के कुछ प्रावधान संभावित रूप से भारत के संविधान का उल्लंघन हो सकते हैं। यह अधिनियम संसद द्वारा मंजूरी दिए जाने के लगभग चार साल बाद मार्च में लागू किया गया। यह अधिनियम पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आने वाले बिना दस्तावेज वाले गैर-मुस्लिम प्रवासियों को नागरिकता देने की बात करता है।

अमेरिकी कांग्रेस की एक स्वतंत्र अनुसंधान शाखा प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सीएए प्रावधान-मुसलमानों को छोड़कर तीन देशों के छह धर्मों के अप्रवासियों को नागरिकता देना भारतीय संविधान के कुछ अनुच्छेदों का उल्लंघन हो सकता है। रिपोर्ट में इस पर चिंता जाहिर की गई कि नियोजित राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के साथ मिलकर, सीएए भारत की मुस्लिम आबादी के अधिकारों को खतरे में डाल सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सीएए का विरोध करने वाले लोग सत्तारूढ़ भाजपा से सावधान हैं, जो हिंदू बहुसंख्यकवादी, मुस्लिम विरोधी एजेंडे को हवा दे रहा है, जो आधिकारिक तौर पर धर्मनिरपेक्ष गणराज्य के रूप में भारत की स्थिति को खतरे में डालता है और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानदंडों और दायित्वों का उल्लंघन करता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सीएए का लागू होना भाजपा के दूसरे राष्ट्रीय पुनः चुनाव अभियान के बीच हुआ और कुछ पर्यवेक्षकों का मानना है कि यह समय बड़े पैमाने पर राजनीति से प्रेरित है।

आलोचकों का हवाला देते हुए, रिपोर्ट में कहा गया है कि सीएए को केवल अनुमोदित धर्मों के सदस्यों की रक्षा के लिए डिज़ाइन किया गया है, दूसरों के पास बहुत कम सहारा होगा। एक वरिष्ठ पर्यवेक्षक ने कहा है उसे स्थापित करने के कथित मोदी-भाजपा प्रयासों को आगे बढ़ाया जा रहा है। एक जातीय लोकतंत्र जो बहुसंख्यक समुदाय को राष्ट्र के बराबर मानता है और दूसरों को दोयम दर्जे का दर्जा देता है।

सीआरएस, अमेरिकी कांग्रेस की एक स्वतंत्र अनुसंधान शाखा, कांग्रेस के निर्णय लेने में सहायता के लिए रिपोर्ट प्रदान करती है लेकिन आधिकारिक कांग्रेस के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करती है। इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने भारत में नागरिकता संशोधन अधिनियम की अधिसूचना के संबंध में चिंता व्यक्त की थी और कहा था कि वह विवादास्पद कानून के कार्यान्वयन की बारीकी से नजर रखा रहा है। भारत ने अमेरिकी की इस आलोचना को खारिज कर दिया है और कहा कि सीएए का उद्देश्य मुख्य रूप से नागरिकता देना है। एक बयान में, केंद्र ने आश्वासन दिया था कि इस कानून के परिणामस्वरूप देश का कोई भी नागरिक अपनी नागरिकता नहीं खोएगा।

अमेरिका पाकिस्तान को दो रोटी खिलाकर... चार थपड़ मार रहा -साजिद तरार

इस्लामाबाद । अमेरिका ने चीन की तीन कंपनियों और बेलारूस की एक कंपनी पर प्रतिबंध लगा दिया हैं। लंबी दूरी की मिसाइल सहित पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए इन कंपनियों से उपकरणों की सप्लाई होती है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इससे जुड़ी जानकारी दी है, जो पाकिस्तान के लिए एक बड़ा झटका है। चीन, पाकिस्तान का सर्वकालिक सहयोगी है। वह पाकिस्तान के महत्वाकांक्षी सैन्य आधुनिकीकरण कार्यक्रम के लिए हथियारों और रक्षा उपकरणों का मुख्य आपूर्तिकर्ता रहा है। पाकिस्तानी जानकार ने कहा कि अमेरिका से जब पैसा लिया जाएगा तब इस तरह के दबाव आएगा। विदेशी मामलों के जानकार साजिद तरार ने कहा, पाकिस्तान आज कमजोर है, दुनिया पाकिस्तान को जितना हो सके उतना कमजोर करने की कोशिश कर रही है।

मालदीव के संसदीय चुनाव में मुइज्जू की पार्टी पूर्ण बहुमत से जीती

-अलोकप्रिय नीतियों को खत्म करना तरुण का प्रमुख उद्देश्य

माले (एजेंसी)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की पार्टी ने चुनाव में भारी बहुत से जीत हासिल की है। मुइज़ू की पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने मालदीप की संसद पर एकतरफा नियंत्रण कर लिया है। परिणामस्वरूप मतदाताओं ने चीन की ओर उनके झुकाव और क्षेत्रीय शक्ति और भारत से दूर होने का समर्थन किया। चुनाव में मुइज़ू की पीएनसी ने 86 सीटों में से 66 सीटें जीती हैं जो 93-सदस्यीय संसद में पूर्ण बहुमत के लिए पहले से ही पर्याप्त से अधिक है।

मुइज्जू की पार्टी की जीत को चीन के साथ घनिष्ठ आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने की योजना के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षण के रूप में देखा गया है। पीएनसी और उसके सहयोगियों के पास निवर्तमान संसद में कुल आठ सीटें थीं, सितंबर में हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद बहुमत में नहीं होने से मुइज्जू को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। मुख्य विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी)-जिसके पास पहले पूर्ण बहुमत था। 45 वर्षीय मुइज्जू रविवार को सबसे पहले मतदान करने वालों पहुंचे थे, उन्होंने राजधानी माले में अपना वोट डाला। जहां से वह पहले मेयर रह चके हैं। मुइज्जू ने मालदीव के लोगों से बड़ी संख्या में मतदान करने का आग्रह किया।

मुइज्जू ने कहा मालदीव, भूमध्य रेखा के पार लगभग 800 किलोमीटर तक फैले लगभग 1,192 छोटे मूंगा द्वीपों का एक निचला देश, ग्लोबल वार्मिंग के कारण समुद्र के स्तर में वृद्धि के प्रति सबसे संवेदनशील देशों में से एक है। पूर्व निर्माण मंत्री मुइज़ू ने वादा किया है कि वह भूमि सुधार और ऊंचे द्वीपों का निर्माण करके लहरों को हरा देंगे, एक ऐसी नीति जिसके बारे में पर्यावरणविदों का तर्क है कि इससे बाढ़ का खतरा भी बढ़ सकता है। मालदीव प्राचीन सफेद समुद्र और एकांत रिसॉर्ट्स ओर खूबसूरती के कारण दुनिया में जाना जाता है। हाल के वर्षों में मालदीव हिंद महासागर में एक भू-राजनीतिक हॉटस्पॉट भी बन गया है, जहां वैश्विक पूर्व-पश्चिम शिपिंग लेन द्वीपसमूह से गुजरती हैं।

मुइज़ू के सहयोगी ने नाम न छापने की शर्त पर मतदान से पहले बताया कि रविवार के चुनाव में पार्टियां वोटों के लिए प्रचार कर रही हैं, इसलिए भू-राजनीति पृष्ठभूमि में है। वह भारतीय सैनिकों को वापस भेजने के वादे पर सत्ता में आए थे और वह इस पर काम कर रहे हैं। सत्ता में आने के बाद से संसद उनके साथ सहयोग नहीं कर रही है। इब्राहिम मोहम्मद सोलिह भी जल्दी मतदान करने वालों में शामिल थे और उन्होंने भरोसा जताया कि उनकी पार्टी विजयी होगी। रविवार के मतदान में उनके खराब प्रदर्शन पर उनकी पार्टी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। चुनाव प्रमुख फुआद तौफीक ने मतदान बंद होने के बाद कहा कि मतदान का आधा घंटा शेष रहने तक 284,663 मतदाताओं में से 73 प्रतिशत तक मतदान हो चुका था।

अमेरिका मदद करता इसके पहले ही इजरायल ने गाजा में कर दी बमबारी, 22 की मौत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी कांग्रेस (संसद) के निचले सदन प्रतिनिधि सभा ने शनिवार को 26 अरब अमेरिकी डॉलर के सहायता पैकेज को मंजूरी दे दी थी, जिसमें गाजा के लिए लगभग नौ अरब अमेरिकी डॉलर की मानवीय सहायता शामिल है। ये सहायता गाजा के लोगों को मिल पाती इसके पहले ही इजरायल में अंधाधुंध बमबारी कर दी,जिसमें 22 लोगों की मौत हो गई।

गाजा के दक्षिणी शहर रफह में रातभर किए गए इजरायली हमलों में 18 बच्चों सहित 22 लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इजरायल ने रफह पर लगातार हवाई हमले किए हैं। गाजा की 23 लाख की आबादी में से आधे से अधिक लोगों ने कहीं और रहने के लिए शरण मांगी है। खास बात है कि ये घटना ऐसे समय पर हुई, जब अमेरिका गाजा के लिए अतिरिक्त सैन्य सहायता को मंजूरी देने की तैयारी कर रहा था।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बयान में कहा, आगामी दिनों में हम हमास पर राजनीतिक और सैन्य दबाव बढ़ाएंगे क्योंकि अपने बंधकों को वापस लाने और जीत हासिल करने का यही एकमात्र तरीका है। हम जल्द ही हमास पर और जबरदस्त हमला करेंगे। उन्होंने हालांकि इस संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं दी। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजरायल-हमास युद्ध में 34 हजार से अधिक फलस्तीनी लोग मारे गए हैं। इजरायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में भी तनाव बढ़ गया है। इजरायली सैनिकों ने दो फलस्तीनियों की हत्या कर दी। सेना का कहना है कि रविवार तड़के दक्षिणी वेस्ट बैंक के हेब्रोन शहर के निकट एक जांच चौकी पर चाकू और बंदूक से हमला किया गया। फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि मारे गए दोनों लोग एक ही परिवार से 18 और 19 साल के थे।दक्षिणी इजरायल में एक जबरदस्त हमले के बाद गाजा में सात अक्टूबर को युद्ध शुरू हुआ था जिसमें हमास और अन्य आतंकवादियों ने लगभग 1,200 लोगों को मार डाला था। मृतकों में ज्यादातर नागरिक थे और लगभग 250 बंधकों का अपहरण कर लिया गया था।

राईसी पहुंचे पाक के ऐतिहासिक दौरे पर

-ईरान के राष्ट्रपति का हुआ जोरदार स्वागत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति डॉक्टर इब्राहिम राईसी सोमवार को पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के ऐतिहासिक दौरे पर पहुंचे हैं। ईरानी राष्ट्रपति का इस्लामाबाद एयरपोर्ट पर रेड कार्पेट बिछा जोरदार स्वागत किया गया है। इस दौरान पाकिस्तान के कई मंत्री राष्ट्रपति राईसी के स्वागत में एयरपोर्ट पहुंचे थे। गाजा पर छिड़े युद्ध के दौरान राईसी के पाक दौरे को अहम माना जा रहा है, इससे अमेरिका भी चिंतित नजर आया है और वह इस पर बारीक नजर रखे हुए है।

यहां बतलाते चलें कि राईसी के दौरे को इसलिए भी ऐतिहासिक बताया जा रहा है क्योंकि ईरानी राष्ट्रपति का 7 साल बाद यह पहला पाकिस्तान दौरा है। खास बात यह है कि ईरानी राष्ट्रपति राईसी ने यह दौरा ऐसे समय पर किया है जबकि गाजा में चल रही जंग के बीच इजराइल और अमेरिका के साथ उनके देश के युद्ध जैसे हालात बने हैं। गौरतलब है कि इससे पहले बताया गया था कि इजराइल के साथ मिसाइल हमले हुए जिसके बाद ईरानी राष्ट्रपति का दौरा रद्ध होने की बात भी सामने आई थी, लेकिन इन्हें अफवाह साबित करते हुए राईसी सोमवार सुबह पाकिस्तान पहुंच गए हैं। इस दौरे से यह माना जा रहा है कि ईरानी राष्ट्रपति ने अमेरिका और इजराइल को संदेश देने के लिए ही दौरा किया है। इस बीच पाकिस्तान ने ईरानी राष्ट्रपति का जोरदार स्वागत किया है, जिसे देख अमेरिका भड़का हुआ है और इस पर बारीक नजर रखने की बात कह रहा है। सूत्रों की मानें तो ईरानी राष्ट्रपति राईसी अगले 3 दिन तक पाकिस्तान में रहेंगे और गैस पाइपलाइन से लेकर क्षेत्र के हालात पर पाकिस्तान के साथ वार्ता करेंगे।

गौरतलब है कि इससे दो दिन पहले पाकिस?तान और ईरान के बीच मिसाइलों से हमले की खबरें आम हुई थीं और यह समझा जा रहा है कि इससे दोनों देशों के बीच रिश्तों में तनाव आया है। इस यात्रा के जरिए ईरानी राष्ट्रपति राईसी दोनों देशों के बीच के तनाव को खत्म कर सकते हैं। दरअसल ईरानी राष्ट्रपति के साथ उनके अनेक मंत्री और आला अधिकारी तथा प्रमुख बिजनसमैन भी पाकिस्तान पहुंचे हैं। इस दौरे के दौरान राईसी पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ समेत शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर बातचीत करेंगे।

यहां अमेरिका के बदलते रुख को देख पाकिस्तान ने कहा है कि ईरान के राष्ट्रपति का दौरा पहले से तय था, ऐसे में इसे युद्ध से जोड़ कर नहीं देखना चाहिए। वहीं दूसरी तरफ अमेरिकी सूत्र बता रहे हैं कि सरकार इस दौरे को लेकर सतर्क है और बहुत बारीक नजर रखे हुए है।

रिपोर्ट में खुलासा: 2022 में 66 हजार भारतीय अमेरिकी नागरिक बने

- अमेरिकी नागरिकता पाने में भारत मेक्सिको के बाद दूसरे नंबर पर

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी जनगणना ब्यूरो के अमेरिकी सामुदायिक सर्वेक्षण के आंकड़ों के अनुसार, 2022 में विदेशी मूल के अनुमानित चार करोड़ 60 लाख लोग अमेरिका में रहे जो अमेरिका की कुल 33 करोड़ 33 लाख आबादी का लगभग 14 प्रतिशत हिस्सा है। वहीं वर्ष 2022 में कम से कम 65,960 भारतीय आधिकारिक तौर पर अमेरिकी नागरिक बन गए और इसके साथ जिन देशो के लोगों को अमेरिकी नागरिकता मिली है, उनकी संख्या में भारत मेक्सिको के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच गया।

स्वतंत्र 'कांग्रेशनल अनुसंधान सेवा' (सीआरएस) की वित्त वर्ष 2022 के लिए 'यूएस नेचुरलाइजेशन पॉलिसी' (अमेरिकी नागरिकता नीति) पर 15 अप्रैल को जारी नई रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2022 में 9,69,380 लोगों को अमेरिकी नागरिकता मिल गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि अमेरिकी नागरिकता पाने वाले लोगों में मेक्सिको में जन्मे लोगों की संख्या सबसे अधिक रही। इसके बाद भारत, फिलीपीन, क्यूबा और डोमिनिकन गणराज्य के लोगों को सबसे ज्यादा अमेरिकी नागरिकता मिली। सीआरएस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2022 में मेक्सिको के 1,28,878 नागरिक अमेरिकी नागरिक बने। उनके बाद भारत (65,960), फिलीपीन (53,413), क्यूबा (46,913), डोमिनिकन गणराज्य (34,525), वियतनाम (33,246) और चीन (27,038) के लोगों को अमेरिकी नागरिकता मिली।

रिपोर्ट में बताया गया है कि 2023 तक विदेशी मूल के अमेरिकी नागरिकों में भारत के लोगों की संख्या 2,831,330 थी जो मेक्सिको के (10,638,429) के बाद दूसरी सर्वाधिक संख्या है। इसके बाद सूची में चीन (2,225,447) का नंबर आता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अमेरिका में रहने वाले भारत में जन्मे लगभग 42 प्रतिशत विदेशी नागरिक वर्तमान में अमेरिकी नागरिक बनने के लिए अयोग्य हैं।

बॉलीवुड में सही प्रोजेक्ट नहीं मिलने पर बोलीं परिणीति

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इस समय इम्तियाज अली की फिल्म अमर सिंह चमकीला में अपनी भूमिका के लिए प्रशंसा बटोर रही हैं। निजी जिंदगी को लेकर भी परिणीति खूब लाइमलाइट में रहती हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने हिंदी फिल्म उद्योग में लॉबिंग प्रणाली के बारे में खुलकर बात की है।

अपने हालिया साक्षात्कार में परिणीति ने कहा कि वह कभी भी उन पार्टियों में शामिल नहीं होती हैं, जहां कलाकारों के लिए प्रोजेक्ट बनाए जाते हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें कोई पछतावा नहीं है। अभिनेत्री ने यह भी स्वीकार किया कि उनका पीआर गेम बाकी कलाकारों की तुलना में मजबूत नहीं है, लेकिन उन्हें खुद पर भरोसा है और वह चाहती हैं कि फिल्म निर्माता उनसे वही भूमिकाएं दें, जिन्हें वह करने में सक्षम हैं। परिणीति का कहना है कि उन्होंने अमर सिंह चमकीला जैसे मौके के लिए करीब 10 साल तक इंतजार किया। फिल्म में वह सिंगर अमरजोत यानी अमर सिंह चमकीला की पत्नी का किरदार निभाया है। एक बातचीत के दौरान परिणीति ने सही प्रोजेक्ट्स और भूमिकाओं से दूर रहने के लिए अवसरों की कमी के साथ-साथ अपने गलत करियर फैसलों को भी जिम्मेदार ठहराया। परिणीति का कहना है, मैं डिनर और लंच या पार्टियों में नहीं जाती, जहां बॉलीवुड में काम के अवसर मिलते हैं या भूमिकाओं पर चर्चा होती है। मैं चाहती हूं कि निर्देशक और निर्माता मुझे मेरे काम के लिए बुलाएं क्योंकि मैं कड़ी मेहनत करने को तैयार हूं। मैंने 10 साल पहले इशकजादे के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है। मैं अब भी वही अभिनेत्री हूं। अभिनेत्री ने आगे कहा, मैं उन कलाकारों के लिए आवाज बनना चाहता हूं जो गुटों का हिस्सा नहीं हैं। मुझे उम्मीद है कि हम बॉलीवुड में लॉबिंग की इस प्रणाली को तोड़ देंगे क्योंकि मैं समान अवसर और काम चाहती हूं। हो सकता है कि मैंने गलत फिल्में की हो, लेकिन मैं वैसी ही हूं, जिस अभिनेत्री ने 10 साल पहले शुरुआत की थी और वह सही मंच की तलाश में है।

सामंथा रुथ प्रभु ने जान्हवी की फिल्म उलझ की तारीफों के बांधे पुल

जान्हवी कपूर के पास कई बड़े प्रोजेक्स की फिल्में हैं। जिसमें उनकी तेलुगु डेब्यू फिल्म भी शामिल है। इस तेलुगु फिल्म में वह जूनियर एनटीआर और राम चरण के साथ नजर आएंगी। इसी के साथ उनकी फिल्म उलझ रिलीज के लिए तैयार है। निर्देशक सुधांशु सारिया की आने वाली सस्पेंस थ्रिलर फिल्म उलझ का टीजर 17 अप्रैल को रिलीज किया था। फिल्म का टीजर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रिया आनी शुरू हो गई थी। फिल्म उलझ को सोशल मीडिया पर पॉजिटिव रिस्पांस मिल रहे हैं।

सबसे पहले जान्हवी कपूर की उलझ को लेकर उनके रूमर्ड बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया का प्रतिक्रिया आई थी और इसके बाद राजकुमार राव की प्रतिक्रिया आई थी। अब इसी लिस्ट में एक और नाम जुड़ गया है बॉलीवुड अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु का। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर जान्हवी कपूर की फिल्म उलझ को लेकर एक स्टोरी शेयर की, जिसमें उन्होने कैप्शन दिया, असाधारण है आपका यह लुक। पहले से भी और अधिक मजबूत जान्हवी कपूर। इसके बाद जान्हवी ने समांथा के इस पोस्ट पर रिप्लाई किया। अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु जल्द ही हॉलीवुड स्पाई थ्रिलर वेब सीरीज सिटाडेल के हिंदी रुपांतरण को लेकर लंबे समय से चर्चाएं हो रही हैं। हिंदी में बनने वाली इस सीरीज में वरुण धवन और समांथा रुथ प्रभु लीड रोल में नजर आने वाले हैं। निर्देशक राज एंड डीके की वेब सीरीज सिटाडेल का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज किया जा चुका है।

सीरीज पाताल लोक का अगला भाग नहीं लाना चाहते अभिषेक बनर्जी!

अमेजन प्राइम वीडियो की सुपरहिट वेब सीरीज 'पाताल लोक' के दूसरे सीजन की कहानी पर काम करीब करीब पूरा हो चुका है। सीरीज के लीड कलाकार जयदीप अहलावत अपने लोकप्रिय किरदार हाथीराम चौधरी के साथ फिर से वापसी की तैयारी शुरू कर चुके हैं। हालांकि, बता दें कि पाताल लोक 2 के बारे में सुनते ही सीरीज में हथौड़ा त्यागी उर्फ अभिषेक बनर्जी दुखी हो जाते हैं। आइए जानते हैं कि ऐसा क्यों है। हाल ही में, एक इंटरव्यू में हथौड़ा त्यागी की भूमिका निभाने वाले अभिषेक बनर्जी ने खुलासा किया है कि जब भी पाताल लोक 2 सीरीज के बारे में बात होती है तो उनका मन काफी दुखी हो जाता है। अभिनेता के इस बयान से फैंस काफी हैरान हो गए हैं। हालांकि, अभिषेक ने इसके पीछे की वजह का भी खुलासा किया है। अभिषेक बनर्जी ने कहा, मुझे इस बार पाताल लोक में न होने का बड़ा दुख है। मेरा किरदार तो पहले सीजन में ही मार दिया गया था। इस बारे में मैं निर्माता-निर्देशक कर्णेश शर्मा और सुदीप शर्मा को बोलता भी हूं कि आप मुझे पाताल लोक 2 के बारे में कुछ न बताएं, क्योंकि आप लोग मुझे जितना बताएंगे, मुझे उतना और अधिक दुख होता है कि मेरा किस्सा तो पहले सीजन में ही खत्म कर दिया था। मैं उसमें नहीं हूं। मुझे हथौड़ा त्यागी की भूमिका से बहुत प्यार मिला है और उसके लिए मैं हमेशा दर्शकों का आभारी रहूंगा। वहीं, बात करें सीरीज की तो मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस साल के अंत में दर्शकों के सामने इस सीरीज की स्ट्रीमिंग होगी। अमेजन प्राइम वीडियो ने अपनी आगामी सीरीज और फिल्म की एक लिस्ट जारी की थी, उसमें पाताल लोक का सीजन 2 भी शामिल था।

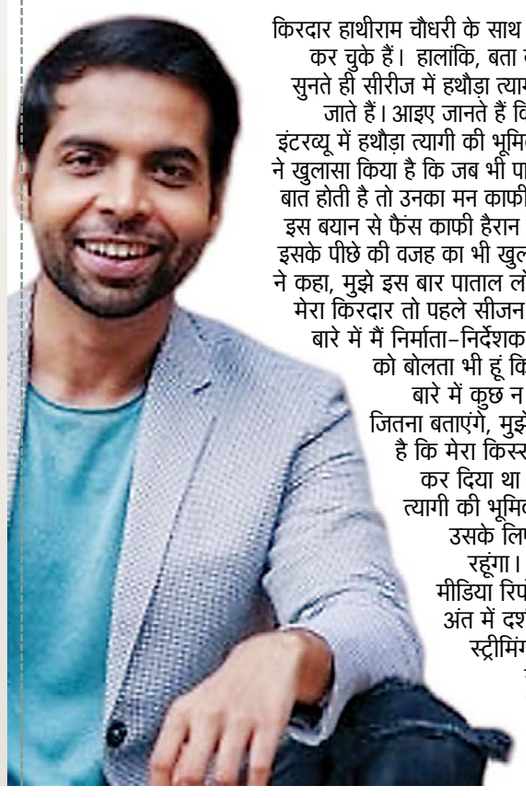

प्रतीक गांधी ने साझा किया विद्या बालन के साथ काम करने का अनुभव

विद्या बालन और प्रतीक गांधी अभिनीत फिल्म दो और दो प्यार रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसमें प्रतीक विद्या बालन के पति की भूमिका में हैं। प्रतीक गांधी ने इस फिल्म में विद्या के साथ काम करने का अनुभव साझा किया है। उन्होंने इस दौरान अभिनेत्री की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने सेट पर चीजों को काफी आसान बना दिया। अभिनेता प्रतीक गांधी का कहना है कि सेट पर विद्या बालन से मिलने के बाद बेहद खुशी हुई। प्रतीक गांधी गुजराती सिनेमा का बड़ा नाम हैं। वह गुजराती थिएटर से भी जुड़े हुए हैं। हंसल मेहता की सीरीज स्कैम 1992 में भी वह नजर आ चुके हैं। प्रतीक गांधी ने कहा, जब मेरे पास फिल्म का प्रस्ताव आया, तो मुझे विद्या बालन से मिलने के लिए बुलाया गया, क्योंकि मेकर्स हमें साथ देखना चाहते थे। इसके बाद हमने कुछ देर स्क्रिप्ट पढ़ी। मैं उस दौरान विद्या बालन से मिलने के बाद अभिभूत था। प्रतीक गांधी ने आगे कहा, फिल्म दो और दो प्यार के फोटो शूट के दौरान विद्या बालन ने चीजों को काफी आसान बना दिया। चीजें काफी सहज तरीके से हुईं। अभिनेता ने आगे कहा, विद्या बालन बिना किसी प्रयास के किरदारों को बहुत आसानी से निभा लेती हैं। उन्होंने जितने विविध किस्म के किरदार अदा किए हैं, मुझे वह बहुत पसंद हैं। वह बहुत आत्मविश्वास के साथ पर्दे पर आती हैं और हर किरदार में सहज रहती हैं।

सिंघम अगेन में डांस नंबर से भौकाल दिखाएगी करीना कपूर

भारतीय सिनेमा की चर्चित फ्रेंचाइजी सिंघम की अगली फिल्म सिंघम अगेन आने वाली है। इस फिल्म की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। लंबे ब्रेक के बाद रोहित शेट्टी सिंघम सीरीज की इस अगली फिल्म के साथ आ रहे हैं, जिसमें अजय देवगन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। साथ ही अक्षय कुमार और रणवीर सिंह भी होंगें। इनके अलावा दीपिका पादुकोण भी फिल्म का हिस्सा हैं। इस फिल्म में एक डांस नंबर भी जोड़ा गया है। फिल्म सिंघम अगेन का डांस नंबर करीना कपूर कर रही हैं। खबर है कि अभिनेत्री ने मुंबई में आज इस हॉट डांस नंबर की शूटिंग की है। इस स्पेशल नंबर में वह टाइगर श्रॉफ और अजय देवगन के साथ नजर आएंगी। करीना कपूर इन दिनों फिल्म क्रू के चलते छाई हुई हैं। करीना, तब्बू और कृति सेनन अभिनीत इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया है। करीना कपूर कई फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाने के साथ-साथ आइटम नंबर का तड़का भी लगा चुकी हैं। दबंग 2 में फेविकॉल, हीरोइन का हलकट जवानी, डॉन का ये मेरा दिलऔर क्या लव स्टोरी है के इट्स रॉकिंग समेत कई गानों पर अपने डांस मूव्स से बेबो धमाल कर चुकी हैं। फिल्म सिंघम अगेन में दीपिका पादुकोण भी नजर आएंगी। हाल में सेट से उनकी कुछ तस्वीरें लीक हुईं। दीपिका जल्द ही मां बनने वाली हैं। सामने आई तस्वीरों में उनका बेबी बंप साफ नजर आया। दीपिका सिंघम अगेन में कोई भारी-भरकम एक्शन सीक्वेंस खुद नहीं फिल्माती नजर आएंगी। इसके लिए रोहित शेट्टी ने उनकी बॉडी डबल को रखा हुआ है।

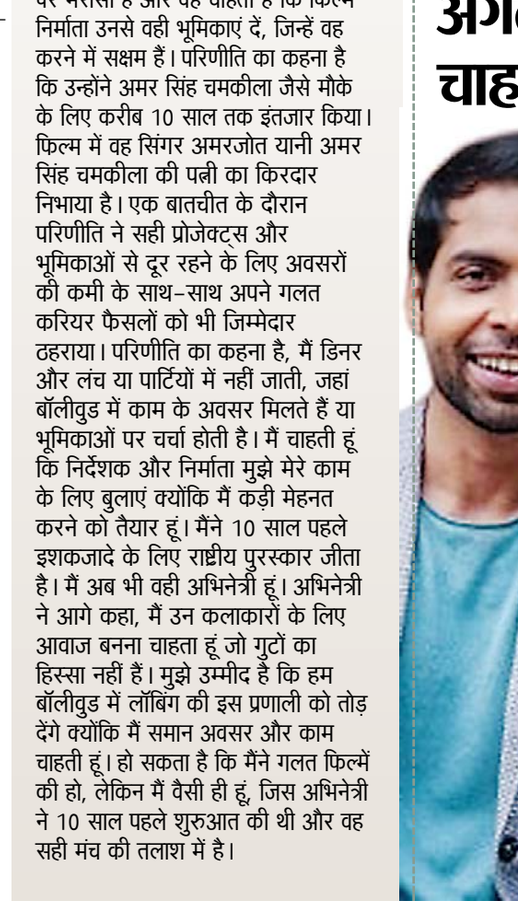

पहले से भी ज्यादा जंगली एनिमल बन लौटेंगे रणबीर कपूर

संदीप रेड्डी वांगा के जरिए निर्देशित और रणबीर कपूर अभिनीत एनिमल साल 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म साबित हुई। इस फिल्म की दमदार सफलता के साथ ही निर्माताओं ने इसके दूसरे भाग की घोषणा कर दी थी, जिसे लेकर फैंस बेहद उत्साहित हैं। समय-समय पर फिल्म को लेकर नई और दिलचस्प जानकारियां सामने आ रही हैं, जिसका फैंस को भी बेसब्री से इंतजार रहता है। वहीं, अब फिल्म की शूटिंग और कहानी को लेकर नई जानकारी सामने आई है, जो खुद फिल्म के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने दी है। एनिमल के दूसरे भाग एनिमल पार्क के लिए दर्शकों को अभी लंबा इंतजार करना होगा। फिल्म की शूटिंग थोड़ी देर से शुरू होने वाली है। दरअसल, एनिमल के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने हाल ही में मुंबई में एक अवार्ड शो में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने फिल्म के सीक्वल के बारे में एक रोमांचक अपडेट साझा किया। साथ ही उन्होंने खुलासा किया कि फिल्म की शूटिंग साल 2026 में ही शुरू होगी। फिल्म के बारे में बात करते हुए संदीप रेड्डी वांगा ने कहा कि एनिमल पार्क फिल्म एनिमल से भी बड़ा और जंगली होने जा रहा है। फिल्म की शूटिंग 2026 तक शुरू होगी। अब ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि फिल्म की कहानी पहले भाग से भी ज्यादा खतरनाक और ज्यादा एक्शन सीक्वेंस के साथ होगी। इस पर तेजी से काम होगा, जिस पर तैयारियां कुछ समय बाद शुरू होने की उम्मीद है। इससे पहले खबर आई थी कि एनिमल पार्क के निर्माता अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म के सीक्वल के लिए विक्की कौशल को शामिल कर सकते हैं। कथित तौर पर विक्की कौशल को एनिमल पार्क में एक नकारात्मक भूमिका के लिए विचार किया जा रहा है। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन रणबीर के साथ विक्की की ऑनस्क्रीन भिड़ंत देखना दिलचस्प होगा। फिल्म के पहले भाग में बॉबी देओल ने ही नकारात्मक किरदार निभाया था। संदीप रेड्डी वांगा और भूषण कुमार ने ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल का बहुप्रतीक्षित सीक्वल लाने के लिए हाथ मिलाया है। साथ ही खबर आई थी कि संदीप ने एनिमल पार्क की स्क्रिप्ट पर काम करना शुरू कर दिया है। उन्हें कहानी का मूल आर्क मिल गया है और एनिमल के कई प्रमुख किरदार एनिमल पार्क का भी हिस्सा होंगे, जहां रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना और तृप्ति डिमरी अपनी-अपनी भूमिका निभाने के लिए वापस आएंगे, वहीं एनिमल पार्क में उपेंद्र लिमये का भी एक मजबूत ट्रैक है। सीक्वल से कई नए कलाकारों के भी नाम जुड़ेंगे। संदीप प्रभास की स्पिरिट के बाद एनिमल पार्क की शूटिंग करेंगे।

पुराने दिनों का याद कर भावुक हुए मनोज बाजपेयी

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेताओं में से एक मनोज बाजपेयी आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। अपने बेहतरीन अभिनय कौशल से उन्होनें फिल्मी दुनिया में एक विशिष्ट पहचान बनाई हैं। उनकी 100वीं फिल्म भैयाजी भी जल्द ही सिनेमाघरों मे दस्तक देने वाली है। फिलहाल वह अपनी आगामी फिल्म साइलेंस 2 के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान वह अपने पुराने दिनों को याद करते हुए दिखाई दिए। उन्होनें बताया कि उस वक्त फिल्मों के लिए फीस उतनी नहीं थी, तो आने-जाने के लिए कुछ अतिरिक्त पैसे दिए जाते थे, जिससे वह आगे की प्लानिंग करते थे। मनोज बाजपेयी ने एक बातचीत के दौरान बताया, सैलरी काफी कम हुआ करती थी, हमारा सबसे बड़ा सपोर्ट आने-जाने के लिए मिलने वाला कैश होता था। हमें 150 रुपए मिलते थे और उस पैसे को कैसे खर्च करना है, इसको लेकर हम प्लानिंग किया करते थे। अभिनेता ने अफसोस जताते हुए बताया कि अब अब वह रुपये नहीं दिए जाते हैं। उन्होंने बताया कि पहले जो एक्टर्स अपनी गाड़ी से भी आना-जाना करते थे, उन्हें भी पेट्रॉल का खर्च मिलता था, लेकिन अब ऐसा बिलकुल भी नही है। अभिनेता का ये बयान तब सामने आया है जब फीस के तौर पर अभिनेताओं को मिलने वाली मोटी रकम पर लगातार सवाल उठते रहते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अक्षय कुमार को फिल्म बड़े मियां छोटे मियां के लिए 165 करोड़ रुपए मिले हैं। करीब 350 करोड़ के बजट में बनी ये फिल्म पहले सप्ताह में 50 करोड़ ही कमा पाई।

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में मतदान के दिन 7 मई 2024 को रहेगा सार्वजनिक अवकाश

सली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 22 अप्रैल। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में मतदान के दिन 7 मई 2024 को सार्वजनिक अवकाश रहेगा। दीव में आगामी लोकसभा सामान्य चुनाव 2024 में मतदान हेतु निर्धारित तिथि 7 मई 2024 है। जन-सामान्य को सूचित किया जाता है कि दमण एवं दीव संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में मतदान हेतु निर्धारित तिथि अर्थात 7 मई 2024 को सभी सरकारी, अर्ध-सरकारी कार्यालयों, स्थानीय निकायों, वाणिज्यक बैंकों, औद्योगिक इकाईयों, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।

चुनाव के पर्व में दानह भारत स्काउट गाइड ने विकलांग मतदाताओं को किया जागरुक

■ दानह प्रशासन का उद्देश्य शत-प्रतिशत मतदानः मोहित मिश्रा

■ महिला सशक्तिकरण लघु नाटिका द्वारा मतदाता जनजागृति की हुई प्रस्तुति

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 22 अप्रैल। दानह भारत स्काउट गाइड द्वारा लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान के लिए मतदाताओं में जन जागरूकता अभियान हेतु सामान्य मतदाताओं के साथ-साथ असामान्य एवं विकलांग मतदाताओं को भी विशेष रूप से जागरूक किया जा रहा है। सभी मतदाता अपना वोट जरूर करें जिससे एक सक्षम प्रतिनिधि का चयन हो सके। इसके अंर्तगत रेडक्रॉस स्कूल में विशेष बालक स्काउट गाइड एवं बचपन स्कूल के बच्चों द्वारा दानह भारत स्काउट गाइड ने एक संक्षिप्त लघु नाटिका की प्रस्तुति दी। जिसमें सभी लडकियों द्वारा महिला सशक्तिकरण लघु नाटिका में मतदाता जनजागृति की प्रस्तुति दी गई। जिसमें दर्शाया गया कि सामान्य मतदाताओं के साथ-साथ असामान्य एवं विकलांग मतदाता की भी पूर्ण भागीदारी होती है। एक सक्षम प्रतिनिधि के चयन करने में मतदान का पूर्ण अधिकार होता है जिसके अंतर्गत यह जन -जागरूकता भी दी गई की निर्वाचन आयोग के नई गाइडलाइन द्वारा 80 वर्ष के ऊपर की एक अलग सूची तैयार की जा रही है जिससे की 80 वर्ष के ऊपर के मतदाता घर पर रहकर ही वोट कर सकते हैं एवं अपनी भूमिका निभा सकते हैं। दानह प्रशासन एवं निर्वाचन आयोग का मुख्य उद्देश्य है कि इस लोकसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान हो एवं मतदाता अपनी पूर्ण भूमिका निभाएं। इस लघु नाटिका द्वारा दर्शाया गया कि किस-किस प्रक्रिया से गुजरकर एवं किस प्रकार मतदाता अपने अमूल्य वोट को सफल बना सकते हैं एवं उनका वोट गुप्त रखा जाता है। इस लघु नाटिका को सफल बनाने में दानह प्रशासन एवं दानह निर्वाचन अधिकारी गौरांग वोरा, बृजभूषण झा, रेडक्रॉस स्पेशल स्कूल के स्काउट गाइड, बचपन स्कूल के छोटे-छोटे कब बुलबुल, जयहिंद ओपन स्काउट गाइड के मनीष झा रोवर स्काउट लीडर, राकेश पटेल, दीपा पटेल, अमित यादव, रेडक्रॉस स्पेशल स्कूल की प्राचार्या ज्योतिर्मय सूर एवं पूरी टीम के साथ-साथ दादरा नगर हवेली के मीडिया प्रतिनिधियों का भी पूर्ण सहयोग रहा। जिन्होंने इस लघु नाटिका को सफल बनाया एवं जन जागरूकता हेतु पूरे जनता में फैलाने में पूरी भूमिका निभा रहे हैं। इस लघु नाटिका का संचालन संयोगिता सिंह ने किया जो की महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देकर सभी महिला मतदाताओं से भी अपील किया कि आगे आकर वोट करें एवं अपने वोट के महत्व तथा अधिकारों को जाने और उनका उपयोग करें।

गुजरात की 26 में से एक सीट पर कमल खिला, सूरत से भाजपा प्रत्याशी मुकेश दलाल बने पहले सांसद

अहमदाबाद (ईएमएस)। दक्षिण गुजरात की सूरत लोकसभा सीट को महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। सूरत लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार निर्विरोध विजेता घोषित किए गए हैं और उन्हें निर्वाचन अधिकारी की ओर से जीत का प्रमाण पत्र भी दे दिया गया है। मुकेश दलाल मतदान से पहले सूरत के पहले सांसद बन गए हैं। बता दें कि सूरत से कांग्रेस उम्मीदवार निलेश कुंभाणी का नामांकन रविवार को रद्द किए जाने के बाद चुनाव मैदान में निर्दलीय समेत 8 प्रत्याशी रह गए थे। इन 8 उम्मीदवारों के आज अपना नाम वापस लेने से भाजपा के मुकेश दलाल को निर्वाचन अधिकारी ने निर्विरोध विजेता घोषित कर दिया। वोटिंग से पहले निर्विरोध विजेता घोषित मुकेश दलाल को निर्वाचन अधिकारी ने उनकी जीत का सर्टिफिकेट भी दे दिया है। सूरत लोकसभा सीट निर्विरोध जीतकर भाजपा ने इतिहास रच दिया है। भाजपा ने लोकसभा चुनाव में पहली बार कोई सीट पर निर्विरोध जीत हासिसल की है। अब तक लोकसभा के चुनाव में 28 सांसद निर्विरोध जीते हैं। जिसमें सबसे अधिक जम्मू-काश्मीर के सांसदों निर्विरोध जीत दर्ज की थी। सूरत में मुकेश दलाल की जीत को लेकर भाजपा के सहप्रवक्ता दीपक जोशी ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व और आनंद की बात है। गुजरात में आजादी के बाद पहली बार भाजपा ने लोकसभा चुनाव में सूरत सीट पर निर्विरोध जीत दर्ज की है। जिन उम्मीदवारों ने नाम वापस लिया है उन्होंने भाजपा का साथ दिया है। दीपक जोशी ने कहा कि सूरत की सीट पर कमल खिल गया है और अब राज्य की अन्य 25 सीटों पर 5 लाख से भी अधिक वोटों के अंतर से भाजपा जीत हासिल करेगी।

वरकुंड में जयश्री मोटी माता एवं जयश्री भवानी माता मंदिर का मनाया गया 31वां पाटोत्सव

■ 108 नवचंडी महायज्ञ एवं 10 महाविद्या का महापूजन और महाप्रसाद में बडी संख्या में भक्तगण हुए शामिल

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 22 अप्रैल। वरकुंड में जयश्री मोटी माता एवं जयश्री भवानी माता मंदिर का 31वां पाटोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर 108 नवचंडी महायज्ञ एवं 10 महाविद्या का महापूजन किया गया। आचार्य रजनीकांत दीनानाथ जोशी के मार्गदर्शन में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से सामूहिक महायज्ञ संपन्न कराया गया। जिसमें कई जोडों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर महाप्रसाद का भी आयोजन किया गया। जिसमें वरकुंड एवं आसपास के भक्तों ने शामिल होकर माताजी का आशीर्वाद लिया और महाप्रसाद ग्रहण किया।

दीव में धूमधाम से मनाया गया श्री हाटकेश्वर जन्मोत्सव

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 22 अप्रैल। दीव में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्री हाटकेश्वर जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। श्री नागर ब्राह्मणों द्वारा स्थापित यह मंदिर 400 वर्ष पुराना है और सर्व शिव भक्तों का आस्था का केन्द्र है। श्री दीव जिला 84 ज्ञाति ब्रह्म समाज संचालित है। मंदिर संचालकों द्वारा श्री हाटकेश्वर जन्मोत्सव के अवसर पर दोपहर 3 बजे श्री गणेशजी, नंदीजी, कुर्मजी, माता पार्वती, गंगाजी, गौमुख धारा, हाटकेश्वर महादेव पूजन अभिषेक गौर किरण भट्ट द्वारा पूजन किया गया। मंदिर में बहनों द्वारा भजन एवं शिव धुन की गयी। इसके बाद दीपमाला और महाआरती की गयी। हर हर महादेव की गूंज के साथ जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर के दानवीरों तथा ब्रह्म समाज के सदस्य बडी संख्या में उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया। पूरे कार्यक्रम का आयोजन मंदिर संचालक तथा ब्रह्म समाज की ओर से रोहित आचार्य प्रभु के मार्गदर्शन में किया गया।

दीव पुलिस ने अवैध शराब के साथ दो व्यक्तियों को किया गिरफ्तार

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दी 22 अप्रैल। दीव पुलिस ने अवैध शराब के साथ दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की टीम ने 4320 रुपये की शराब के साथ एक होंडा हॉर्नेट मोटर साइकिल भी जप्त किया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, 22/04/2024 को पुलिस कास्टेबल नैनेश सोलंकी दीव पुलिस स्टेशन में सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक ड्यूटी पर थे। इस दौरान नैनेश सोलंकी और सीआईएसएफ स्टाफ घोघला और दीव शहर क्षेत्र में चुनाव विशेष गश्त ड्यूटी कर रहे थे। उन्हें होटल कोहिनूर रोड दीव के पास मोटर साइकिल होंडा हॉर्नेट नंबर जीजे-32-आई-2408 पर पीले रंग के बैग के साथ दो संदिग्ध व्यक्ति मिले। उसके बैग की जाँच करने पर उन्हें आबकारी विभाग दीव से बिना पास या परमिट के आईएमएफएल शराब का स्टॉक मिला। पुलिस द्वारा पूछताछ में दोनों व्यक्तियों ने अपना नाम कपिल मगाभाई सिया (20 वर्ष) निवासी आलमपुर खारा विस्तार, ऊना, गिर सोमनाथ-गुजरात और भव्येश नानू सखड़िया (19 वर्ष) निवासी आलमपुर खारा विस्तार, ऊना, गिर सोमनाथ-गुजरात बताया। इसके बाद दोनों को 12:55 बजे दीव पुलिस स्टेशन लाया गया। व्यक्तिगत निरीक्षण करने पर उनके कब्जे से अवैध शराब पाई गई। दो लोगों को भारत निर्मित विदेशी शराब के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया, उनके पास उत्पाद शुल्क विभाग से पास या परमिट नहीं था। एक वरिष्ठ अधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में जप्त शराब का स्टॉक कुल 96 बोतलें जिसकी कीमत 4,320 रुपये और एक होंडा हॉर्नेट बाइक जिसकी अनुमानित कीमत 50000 रुपये आगे की संभाल और निपटान के लिए उत्पाद शुल्क विभाग को सौंप दिया गया। जप्त की गई वस्तुओं के उचित निपटान की सुविधा के लिए घटना का विवरण देने वाली एक व्यापक रिपोर्ट तैयार की गई और दीव के उत्पाद शुल्क विभाग को सौंपी गई।

भारतीय नागरिक लंबी वैधता वाले मल्टीपल एंट्री शेंगेन वीजा के लिए भी आवेदन कर सकेंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। अब भारतीय नागरिक भी यूरोप में लंबी वैधता वाले मल्टीपल एंट्री शेंगेन वीजा के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। यूरोपीय संघ के राजदूत हर्वे डेल्फिन ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। दरअसल, यूरोपीय संघ ने नए वीज़ा नियमों को अपनाया है। इससे भारत से बार-बार आने वाले यात्रियों को लंबी वैधता के साथ मल्टीपल एंट्री के लिए अप्लाई करने की परमिशन मिलेगी। इससे 29 देशों की यात्रा आसान हो जाएगी। यूरोपीय संघ ने 18 अप्रैल को नए नियम अपनाए थे। डेल्फिन ने अपनी पोस्ट में कहा कि शेंगेन वीजा क्षेत्र में 25 यूरोपीय संघ के सदस्य देश और 4 गैर-यूरोपीय संघ के देश आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड शामिल हैं। नए नियम अभी तक लागू शेंगेन वीजा कोड के मानक नियमों की तुलना में ज्यादा अनुकूल हैं। भारत के लिए अपनाए गए शेंगेन वीजा के कैस्केड के अनुसार, पिछले तीन साल के अंदर दो वीजा प्राप्त करने और वैध रूप से उसका इस्तेमला करने के बाद भारतीय नागरिकों को अब दो साल के लिए वैध दीर्घकालिक और मल्टीपल एंट्री का शेंगेन वीजा जारी किया जा सकता है। नए नियमों में कहा गया कि अगर पासपोर्ट की पर्याप्त वैधता बाकी है, तो दो साल के वीजा के बाद आम तौर पर पांच साल का वीजा दिया जाएगा। यूरोपीय संघ ने कहा कि ऐसे वीजा की वैधता अवधि के दौरान धारकों को वीजा मुक्त नागरिकों के बराबर यात्रा अधिकार प्राप्त होंगे। यूरोपीय संघ के नए नियम यूरोपीय संघ-भारत कॉमन एजेंडा के तहत मजबूत संबंधों के संदर्भ में आता है। यूरोपीय संघ के लिए एक भागीदार के रूप में भारत का काफी महत्व है। इसलिए यूरोपीय संघ ने ये फैसला लिया। शेंगेन क्षेत्र में 29 यूरोपीय देश शामिल हैं। इनमें 25 यूरोपीय संघ के देश हैं। बेल्जियम, बुल्गारिया, क्रोएशिया, चेक गणराज्य, डेनमार्क, जर्मनी, एस्टोनिया, ग्रीस, स्पेन, फ्रांस, इटली, लातविया, लिथुआनिया, लक्ज़मबर्ग, हंगरी, माल्टा, नीदरलैंड, ऑस्ट्रिया, पोलैंड, पुर्तगाल, रोमानिया, स्लोवेनिया, स्लोवाकिया, फिनलैंड और स्वीडन यूरोपीय संघ के सदस्य देश हैं। इसके अलावा आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड भी शेंगेन क्षेत्र में आते हैं।

भाजपा नेता के घर डकैती की साजिश में आप नेता शामिल, 9 आरोपी गिरफ्तार

वलसाड (ईएमएस)। दक्षिण गुजरात के वलसाड में भाजपा नेता के घर में डकैती के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। डकैती की साजिश रचने में चौंकाने वाले खुलासे में आम आदमी पार्टी (आप) नेताओं की भूमिका सामने आई है। जिसमें एक आरोपी आप के टिकट पर वलसाड की पारडी विधानसभा सीट से चुनाव भी लड़ चुका है। भाजपा नेता के घर डकैती के मामले में पुलिस ने आप नेताओं समेत 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक वलसाड जिले की वापी तहसील के करवड गांव के सरपंच और भाजपा नेता के घर आधी रात को हथियारों के साथ डकैतों ने धावा बोल दियो हांलाकि सीसी टीवी में हथियारों से लैस डकैतों को देख सरपंच ने तुरंत स्थानीय लोगों और पुलिस को तुरंत सूचना दे दी। सूचना मिलते ही पुलिस समेत स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंच गए और वहां से भागने का प्रयास कर रहे 5 आरोपियों को दबोच लिया। पकड़े आरोपियों से पूछताछ में हुए खुलासे से पुलिस भी चौंक उठी। पूछताछ में पता चला कि इन आरोपियों को आप के प्रदेश नेता और वलसाड जिले के पदाधिकारियों ने टीप दी थी। आप नेताओं ने ही दाहोद के डकैत गिरोह को बुलाकर सरपंच के घर डकैती की साजिश रची थी। पुलिस ने इस मामले में आप नेताओं समेत 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपियों में 2022 में वलसाड जिले की पारडी विधानसभा सीट से बतौर आप उम्मीदवार चुनाव लड़ने वाले केतन पटेल और वलसाड जिला आप के संयुक्त सचिव प्रदीप पटेल भी शामिल है। भाजपा नेता के घर डकैती की साजिश में आप नेताओं की संलिप्तता सामने आने के बाद राजनीति गरमा गई है। बताया जाता है कि करवड गांव के सरपंच के घर में तीन महीने के भीतर दूसरी बार डकैतों ने धावा बोला थो इससे पहले सरपंच के घर से एक किलो चांदी की लूट की गई थी।

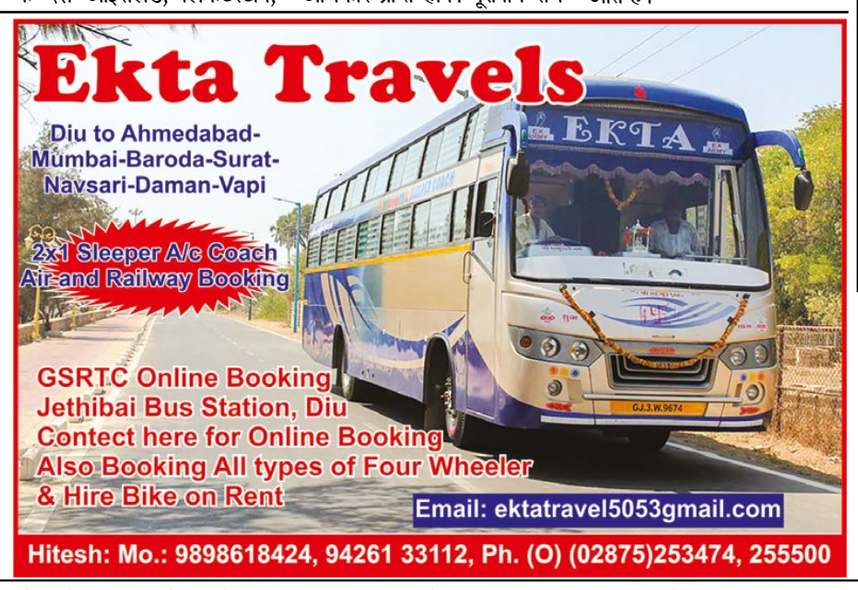

स्वामीः मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)